केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 169 रविवार 12 जनवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

दोपहर तक धूप, फिर बढ़ी ठंड

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोहरे, बादल और सर्द हवाओं के बाद शनिवार को थोड़ी धूप हुई तो लोगों को ठंड से कुछ राहत मिली। लोग अपने अपने घरों व खाली फील्ड में बैठकर धूप सेंकते दिखे। अचानक दोपहर से ही मौसम में परिवर्तन हो गया, फिर से दो पिछले दो दिनों के तरह से बादल छा जाने से तापमान में गिरावट आ गया। लोगों को ठंड के बीच आवागमन करने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

ठंडक में बढ़े लकवा व हार्ट के मरीज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ठंड का प्रकोप बढ़ने लगा तो लकवा और हार्ट अटैक के मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा होने लगा है। चिकित्सकों का कहना है पिछले कुछ दिनों से तापमान में हुए बदलाव से यह समस्या बढ़ी है। चिकित्सक मरीजों को ठंड से बचाव व नियमित दवा लेने की सलाह दे रहे हैं। मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. बीएल कन्नौजिया का कहना है मौसम में हो रहे बदलाव से हार्ट अटैक और लकवा के मरीजों की संख्या बढ़ी है। तेजी से तापमान गिरने और सर्दी का असर बढ़ने से ब्रेन स्टोक, हार्ट अटैक, बीपी, शुगर और सीने में दर्द की शिकायतें बढ़ी हैं। इससे लकवा के साथ हार्ट अटैक का भी खतरा बढा है। बंद कमरे से एकाएक सीधे ठंड में निकले वालों को लकवा, हार्ट अटैक का खतरा ज्यादा रहता है। इमरजेंसी में हर दिन 10 से 15 मरीज हार्ट अटैक और लकवा का शिकार होकर आ रहे हैं। समय से इलाज मिलने से अधिकांश ठीक हो जा रहे हैं। इलाज के लिए देरी से परेशानी बढ़ जाती है।

ठंड के मौसम में नसें सिकुड़नें लगती हैं। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। इससे हार्ट अटैक का खतरा या लकवा जैसी समस्या आ सकती है। किसी–किसी को लकवा व हार्ट अटैक के दौहरे मार से गुजरना पड़ जाता है। ब्लड प्रेशर को कट्रोल रखना जरूरी होता है।

प्रेस क्लब की बैठक में कार्यशाला, आम सभा पर चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । प्रेस क्लब सभागार बस्ती में प्रेस क्लब अध्यक्ष विनोद उपाध्याय की अध्यक्षता में मासिक बैठक संपन्न हुई जिसमें विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

इस बात की जानकारी देते हुए प्रेस क्लब महामंत्री महेंद्र तिवारी ने बताया कि विगत के दिनों मे प्रेस क्लब को सुसज्जित किया गया है जिसमें दोनों तलों पर पर्दे तथा सीसीटीवी कैमरा लगवाये गये हैं। प्रेस क्लब को वाई–फाई सहित अन्य अत्याधुनिक सुविधाओं से लैश किया गया है।

उन्होंने बताया कि प्रेस क्लब बस्ती पत्रकारों के हितों के लिए निरन्तर कार्य कर रहा हैं। बताया कि यह भी निर्णय लिया गया कि आगामी दिनों में प्रेस क्लब द्वारा आम सभा की बैठक और कार्यशाला करायी जायेगी। मान्यता प्राप्त पत्रकार जो आयुष्मान कार्ड से वंचित हैं उन लोगों का आयुष्मान कार्ड बनवाया जायेगा। इसके साथ ही रेलवे सुविधा जो कोरोना काल मे बाधित हुआ था उसे बहाल करने के लिए पत्र लिखा जा रहा है। प्रेस क्लब सदस्यों का स्वास्थ्य बीमा जल्द से जल्द कराया जाएगा।

महामंत्री ने बताया कि बैठक में प्रेस क्लब के तृतीय तल के निर्माण को लेकर भी चर्चा की गयी। साथ ही प्रेस क्लब को वातानुलित किए जाने का भी प्रयास किया जा रहा है।

एक रहेंगे तो सनातन मजबूत होगा- योगी

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ को लेकर अयोध्या सज–धज कर तैयार है। तीन दिवसीय प्रतिष्ठा द्वादशी के उत्सव का उल्लास शनिवार से छलकने लगा। पहले दिन सीएम योगी आदित्यनाथ ने उत्सव का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने अंगद टीला पर पहली बार श्रद्धालुओं व मेहमानों को संबोधित किया। सीएम ने लोगों से त्रिवेणी नगरी संगम जाने का आह्वान किया। कहा कि सभी लोग एक बार जाकर वहां की व्यवस्था जाकर जरूर देखिए। कहा कि एक बार संगम में डुबकी जरूर लगाएं। सीएम ने 13 जनवरी से 26 फरवरी तक होने वाले महाकुंभ की शुभकामनाएं दी। उन्होंने मंकर संक्रांति पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

सीएम ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में जिस ओर देश बढ़ रहा है, हम सब उसका हिस्सा बने। सत्य को अधिक दिनों तक छिपाया नहीं जा सकता है। कहा कि प्रयागराज की धरती पर महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। अयोध्या जैसी ही सुविधा प्रयागराज में भी है। कहा कि आपकी श्रद्धा है, तो ईश्वर खुद ही आपको शक्ति दे देते हैं।

सीएम ने कहा कि एक बात ध्यान रखना होगा, कि आज से पहले वह कौन सी परिस्थितियां थीं, जब

समाज बंटा था। यदि हम जाति के आधार पर बंटे रहेंगे, तो उत्पीड़न झेलना पड़ेगा। एक रहेंगे तो सनातन मजबूत होगा, देश मजबूत होगा। यदि भाषाई, क्षेत्रीय और जाति के आधार बंटेगे तो सबसे पहले इसका खामियाजा हमारे धार्मिक स्थलों को भुगतना पड़ेगा।

सीएम ने कहा कि राम जन्मभूमि के लिए जो आंदोलन शुरू हुआ था, वह आज सार्थकता की ओर आगे बढ़ रहा है।

कहा कि जब दो वर्षों में राम मंदिर पूरी तरह तैयार हो जाएगा, तब यह अयोध्या धाम पूरे विश्व में सबसे सुंदर नगरी के रूप में निखरेगा। कहा कि राम मंदिर में सुविधाओं को आगे बढ़ाने का काम तेजी से चल रहा है।

चीन से आये वायरस एचएमपीवी से निपटने में कारगर है होम्योपैथी-डा. वी.के. वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वरिष्ठ होम्योपैथी चिकित्सक एवं जिला चिकित्सालय में आयुष चिकित्साधिकारी डा. वी.के. वर्मा ने चीन से फैले नये वायरस एचएमपीवी पर जानकारी देते हुये बताया कि इससे डरने की जरूरत नहीं है। यह कोरोना की तरह जान लेवा वायरस नहीं है। बताया कि राइनोवायरस और ह्यूमन मेटान्यूमो वाइरस (एचएमपीवी) के संक्रमण के कुछ मामले भारत में भी सामने आये हैं। संक्रमितों में 14 साल से कम उम्र के बच्चों की संख्या अधिक है। डा. वर्मा ने बताया कि आम तौर पर सर्दियों के दिनों में सर्दी जुकाम , सांस रोग के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की जाती है। एचएमपीवी वायरस से बचाव के लिये होम्योपैथी में अनेक दवायें उपलब्ध हैं।

डा. वर्मा ने बताया कि एचएमपीवी वायरस के संक्रमण से मरीज को बचाने या हो जाने पर आर्सेनिक एलबम 200, यूपेटोरियम पर्फ 200 बहुत प्रभावी है। डा. वर्मा ने बताया कि मरीजों को यह दवायें किसी कुशल चिकित्सक के परामर्श

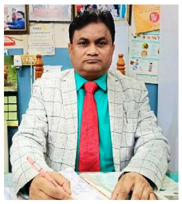

से ही लेना चाहिये। वैसे होम्योपैथी की एक दवा अनेक रोगों में कारगर है और लक्षण के अनुसार दवायें काम करती है, होम्योपैथी दवाओं का कोई दुष्प्रभाव नहीं होता फिर भी सजगता आवश्यक है। डा. वर्मा ने बताया कि एचएमपीवी वायरस की पुष्टि हो जाने के बाद लक्षणानुसार एकोनाइट, बेलाडोना, एल्यिम सीपा, नेट्रम म्योर, चाइना, एल्यिम सटाइबा, नेट्रम सल्फ, नक्सबोम, इपिकाक आदि दवाओं का सेवन चिकित्सक के परामर्श पर करना चाहिये। इस वायरस से डरने की कोई आवश्यकता नही है।

पुलिस की मौजूदगी में जमीन पर कब्जे की कोशिश: एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज के हरदीखास गांव में दबंगों द्वारा दिन दहाड़े मकान को तोड़कर पुलिस की मौजूदगी में जमीन पर कब्जा करने के प्रयास का मामला सामने आया है। शनिवार को हरदीखास निवासिनी प्रेमा देवी पत्नी झिनकान ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई और अपने परिवार के जान माल के रक्षा का गुहार लगाया है।

एसपी को दिये पत्र में प्रेमा देवी ने कहा है कि उसके जेठ रामऔतार के बाल बच्चे नहीं थे, उसने सपरिवार उनकी सेवा किया तो उन्होने अपनी चल अचल सम्पत्ति की वसीयत उसके नाम पर दिया था जिसकी वरासत हो चुकी है। गांव के राम चन्दर पुत्र चैतू और राम प्रकाश घर के पश्चिम की जमीन पर कब्ज कर लेना चाहते हैं । 11 जनवरी शनिवार को राम चन्दर पुत्र चैतू और राम प्रकाश कुछ लोगों को

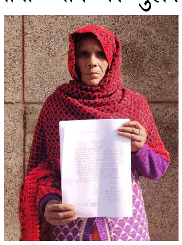

साथ लेकर जमीन पर जबरिया कब्जा करने का प्रयास करने लगे। 112 नम्बर पर फोन करने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची किन्तु दबंगों ने पुलिस की मौजूदगी में कब्जे की कोशिश और तोड़फोड़ जारी रखा। पुलिस चौकी पर भी उसकी सुनवाई नहीं हुई। प्रेमा देवी ने एसपी से मांग किया है कि दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई के साथ ही उसके परिवार के जान माल के रक्षा कराया जाय।

ग्राम प्रधान को दबंग भू- माफियाओं से जान का खतरा: एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली थाना क्षेत्र के हरदिया बुर्जुग निवासी ग्राम प्रधान विजय प्रकाश पुत्र गनपत ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर कहा है कि दबंग भू– माफिया गांव के ही रामकुबेर पुत्र बनारसी और नगर थाना क्षेत्र के कोठवा भरतपुर निवासी ताज मोहम्मद से उन्हें और उनके परिवार को जान माल का खतरा है। दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई कर न्याय दिलाया जाय।

एसपी को दिये पत्र में हरदिया बुर्जुग के ग्राम प्रधान विजय प्रकाश ने कहा है कि रामकुबेर और ताज मोहम्मद आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं। गरीब लोगों या सरकारी ग्राम समाज की भूमि पर प्लाटिग कर बेच लेना इनका धंधा है। ग्राम सभा की सरकारी कीमती भूमि गाटा संख्या 60 पर उन लोगों ने बाउन्ड्रीवाल बनाकर कब्जा कर लिया और प्लाटिंग करने लगे। ग्राम प्रधान होने के नाते जब विजय प्रकाश ने उक्त भूमि की पैमाइश कराया तो वह ग्रामसभा की निकली। नायब तहसीलदार ने उसे खाली कराने का निर्देश दिया। इससे रामकुबेर और ताज मोहम्मद उनसे नाराज रहने लगे। ग्राम प्रधान विजय प्रकाश ने पत्र में कहा है कि उक्त लोगों ने

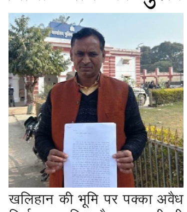

खलिहान की भूमि पर पक्का अवैध निर्माण करा लिया है। 9 जनवरी की सुबह जब ग्राम प्रधान पंचायत भवन पर जाने के लिये निकले तो रामकुबेर ने अपने दरवाजे के सामने गालियां देते हुये धारदार हथियार लेकर उन्हें रोका और मारा पीटा जिससे उन्हें चोटें आयी। उसने जान से मारने की धमकी देते हुये कहा कि तुम्हारा हाथ पैर सलामत नहीं रहने देंगे। किसी तरह से ग्रामीणों के हस्तक्षेप से उनकी जान बची।

ग्राम प्रधान विजय प्रकाश ने एसपी से मांग किया है कि रामकुबेर और ताज मोहम्मद के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराने के साथ ही उनके और परिवार के सदस्यों के जान माल की रक्षा कराया जाय। उक्त लोग आपराधिक प्रवृत्ति के हैं और किसी भी घटना को अंजाम दे सकते हैं।

गर्भवती भैंस की अज्ञात कारणों से मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। लालगंज थाना क्षेत्र के चानापार गांव निवासी टिकोरी की भैंस शनिवार को सुबह लगभग आठ बजे गांव के निकट एक मटर के खेत के पास अज्ञात कारणों से मृत पाई गई।

स्थानीय थाना क्षेत्र के चानापार गांव निवासी टिकोरी अपनी पांच माह की गर्भवती भैंस को शुक्रवार को शाम का चारा खिलालने के बाद घारी में बांध कर अपने घर पर सो रहे थे।रात में जिस रस्सी मे बंधी थी उसे तोड़ कर वह कही चली गई शनिवार को सुबह जब वह जगे तो भैंस को जब वह नहीं देखे तो उसे ढूंढने लगे।भैंस को ढूढते हुए जब वह गांव के बाहर खेत की तरफ गए तो उन्हीं के गांव निवासी बुद्धिराम के मटर के खेत के पास जो बिजली के नंगे तार से घेरा हुआ था उसी के पास उनकी भैंस मृत अवस्था में उनको दिखाई पड़ी।इसकी जानकारी जब गांव वालो को हुई तो लोगों ने उन्हें समझा बुझा कर मृत भैंस को गड़वा दिया।इस मामले में बिजली विभाग के एसडीओ प्रभाकर कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने ने कहा कि इस तरह की कोई जानकारी अभी संज्ञान में नहीं है।लेकिन दिखवाते है।चौकी इंचार्ज महसों अनस अख्तर ने बताया की इस मामले की जानकारी मिली है। थानाध्यक्ष लालगंज सुनील कुमार गौंड ने बताया कि इस समय हम बाहर है।लेकिन इस सन्दर्भ थाने पर कोई भी तहरीर नहीं मिली है।

कन्नौज में निर्माणाधीन रेलवे स्टेशन का लिंटर भर–भरा कर गिरा: मलबे से 23 मजदूर निकाले गये,3 की हालत गंभीर

कन्नौज। (आभा)। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत निर्माणाधीन रेलवे स्टेशन का लिंटर भरभरा कर गिर गया। इसमें 46 मजदूर मलबे के नीचे दब गए। जिसमें से 23 मजदूरों को निकाला जा चुका है। 20 मजदूरों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि तीन मजदूरों को गंभीर हालत में पीजीआई लखनऊ रेफर किया गया है। अभी भी कुछ मजदूर और दबे होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। मौके पर पहुंचा पुलिस और प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य में जुटा हुआ है।

घटना की सूचना पर मंत्री असीम अरुण भी मौके पर पहुंचे हैं। उन्होंने अधिकारियों को घायलों क उपचार

व बचाव कार्य के लिए निर्देशित किया है। इसके अलावा, 12 एम्बुलेंस भी पहुंच गई हैं। घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। नगर पालिका के 50 कर्मचारी बचाव कार्य में जुटे हैं। कानपुर से डीआईजी भी पहुंचे। एनडीआरएफ की टीम घटना स्थल पर पहुंची।

हादसा शनिवार दोपहर करीब 3 बजे का है। उस दौरान रेलवे स्टेशन परिसर में अमृत योजना के तहत निर्माण कार्य चल रहा था स इस दौरान निर्माणाधीन एक बिल्डिंग में करीब 25 मजदूर काम कर रहे थे स तभी अचानक लेंटर भारभरकर ढह गया जिससे उसके नीचे काम कर रहे करीब 25 मजदूर उसकी चपेट में आ गए स बताया जा रहा है कि बिल्डिंग का लेंटर गिरने से उसके मलबे में करीब 20 मजदूर दब गए। हादसे के बाद हड़कंप मच गया।

आनन–फानन में पुलिस, प्रशासन और रेलवे के अफसर मौके के लिए रवाना हो गए। इसके अलावा जीआरपी और आरपीएफ की टीम भी मौके पर पहुंची। टीम ने तुरंत राहत बचाव कार्य अभियान चलाया। वहीं मौके पर एसडीआरएफ को भी लगाया गया है ।

सन्यास के लिये जूना अखाड़े में शामिल 13 वर्षीया लड़की को भेजा घर: महंत निष्कासित

प्रयागराज (आभा) ।जूना अखाड़े में हाल ही में संन्यास के लिए शामिल हुई 13 साल की लड़की को नियम विरुद्ध प्रवेश की वजह से अस्वीकार करते हुए शुक्रवार को घर भेज दिया गया और लड़की को संन्यास दिलाने वाले महंत कौशल गिरि को सात वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया गया।

जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि ने बताया कि यह बालिका नाबालिग थी और इसका जूना अखाड़े में प्रवेश नियम विरुद्ध था, जिसकी वजह से एक बैठक में सर्वसम्मति से इस बालिका को अखाड़े में अस्वीकार करने का निर्णय किया गया।

उन्होंने बताया कि नाबालिग बालिका को जूना अखाड़े में प्रवेश दिलाने के लिए महंत कौशल गिरि महाराज को सात साल के लिए निष्कासित कर दिया गया है। श्रीमहंत नारायण गिरि ने बताया कि बालिका को उसके माता पिता के साथ सम्मान

सहित उसके घर भेज दिया गया है। जूना अखाड़े के नियम के मुताबिक 25 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुकी लड़कियों को अखाड़े में प्रवेश दिया जाता है। यदि कोई माता पिता छोटी आयु के लड़कों को जूना अखाड़े को देता है तो उसे अखाड़े में प्रवेश दिया जाता है।

उन्होंने बताया कि शुक्रवार को जूना अखाड़े की आम सभा में नाबालिग लड़की को अखाड़े में प्रवेश दिलाने के मुद्दे पर चर्चा हुई। इस बैठक में संरक्षक महंत हरि गिरि, सभापति श्रीमहंत प्रेम गिरि समेत अखाड़े के प्रमुख पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में अखाड़े को सूचित किए बगैर कौशल गिरि द्वारा नाबालिग लड़की को स्वीकार करने पर संतों ने रोष जताया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार महाकुंभ में गुरु की सेवा में अपने मां–पिता के साथ आई 13 वर्षीय राखी सिंह के मन में अचानक वैराग्य जागा और उसने माता पिता से साध्वी बनने की इच्छा व्यक्त की थी। माता पिता ने बेटी की इच्छा को प्रभु की इच्छा मानकर उसे जूना अखाड़े को सौंप दिया था। महंत कौशल गिरि ने उसे नया नाम गौरी गिरि दिया था। लड़की की मां रीमा सिंह ने बताया था कि जूना अखाड़े के महंत कौशल गिरि महाराज पिछले तीन साल से उनके गांव में भागवत कथा सुनाने आ रहे हैं और वहीं उनकी 13 वर्षीय बेटी ने उनसे दीक्षा ली थी।

महाकुंभ में कर सकेंगे राम लला के दर्शन

प्रयागराज (आभा)। महाकुंभ मेला क्षेत्र स्थित परमार्थ निकेतन शिविर में शनिवार को भगवान श्रीराम की मूर्ति की विधिवत प्राण–प्रतिष्ठा के साथ स्थापित हुई। वैदिक मंत्रोच्चारण और भक्तिमय भजन के बीच हुए इस दिव्य आयोजन ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

यह आयोजन खास इसलिए भी रहा क्योंकि यह अयोध्या में रामलला की मूर्ति प्राण–प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया गया। शिविर में 'मंगल भवन अमंगल हारी' और 'शिव स्तोत्र' जैसे भजनों कीए गूंज सुनाई दी, जिन्हें इटली के माही

गुरुजी और उनके शिष्यों ने प्रस्तुत किया। इस समारोह का नेतृत्व परमार्थ निकेतन के स्वामी चिदानंद सरस्वती ने किया। उन्होंने भगवान श्रीराम के आदर्शों की महिमा का गुणगान करते हुए उनके जीवन को धर्म, न्याय और सत्य का प्रकाशस्तंभ बताया।

स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा, 'भगवान श्रीराम की मूर्ति की स्थापना भारतीय संस्कृति का प्रतीक है, जो संपूर्ण विश्व को सनातन धर्म के मूल्यों से जोड़ती है। भगवान राम का जीवन धर्म और नैतिकता का मार्ग प्रशस्त करता है।ष उन्होंने यह भी कहा कि प्रयागराज में श्रीराम की मूर्ति की स्थापना न केवल एक आध्यात्मिक उपलब्धि है, बल्कि एकता और समाज को जोड़ने का संदेश भी देती है।

स्वामी चिदानंद सरस्वती ने महाकुंभ के मूल संदेश पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'कुंभ जाति, धर्म और पृष्ठभूमि की बाधाओं को तोड़ने का प्रतीक है। परमार्थ निकेतन शिविर में हर व्यक्ति का समान रूप से स्वागत होता है,

पुण्यतिथि पर याद किये गये पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को उनकी 59 वीं पुण्यतिथि पर याद किया गया। शनिवार को कांग्रेस नेता डा. मारूफ अली और राकेश पाण्डेय गांधियन के संयोजन में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने शास्त्री चौक पर स्थित लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद योगदान पर चर्चा किया।

डा. मारूफ अली ने कहा कि भारत के दूसरे प्रधानमंत्री और 'जय जवान, जय किसान' का नारा देने वाले लाल बहादुर शास्त्री का निधन 11 जनवरी 1966 को हुआ था। अपनी साफ–सुथरी छवि और सादगी के लिए प्रसिद्ध शास्त्री ने प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद नौ जून 1964 को प्रधानमंत्री का पद ग्रहण किया था। वह करीब 18 महीने तक देश के प्रधानमंत्री रहे। उनके नेतृत्व में भारत ने 1965 की जंग में पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी थी। राकेश पाण्डेय गांधियन ने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री का कार्यकाल

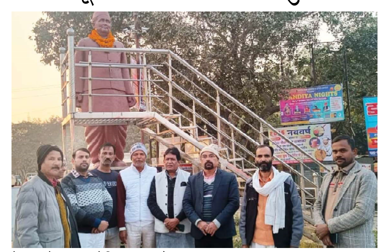

बेहद छोटा था, लेकिन इस दौरान उन्होंने अपने सरल स्वभाव और मजबूत इच्छाशक्ति के दम पर कई मिसालें कायम कीं। उन्होंने मुश्किल समय में देश की सत्ता संभाली थी और चुनौतियों का डटकर सामना किया। इसी कड़ी में साधू शरन आर्य, अवधेश सिंह, अतीउल्ला सिद्दीकी ने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री के नेतृत्व में भारत ने 1965 की जंग में पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी थी। ताशकंद में पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान के साथ युद्ध समाप्त करने के समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद 11 जनवरी 1966 की रात में रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गई थी। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में मुख्य रूप से गिरजेश पाल, राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, रामधीरज चौधरी, गौरीशंकर, अनिल भारती, सद्दाम हुसेन के साथ ही विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, कांग्रेस नेता शामिल रहे।

अमेरिका से बस्ती पहुंचे प्रणव भाई देसाई ने किया दिव्यांगता के क्षेत्र में सहयोग पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दिव्यांगता के क्षेत्र में विश्व स्तर पर कार्य करने वाले वायसऑफएसएपी के संस्थापक प्रणव भाई देसाई ने अमेरिका से भारत आकर अयोध्या दर्शन के बाद हर्रैया बाजार के निकट खुली परिचर्चा भारत में हो रहे दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यो पर व्यापक विमर्श करते हुये आवश्यक आवश्यकताओं की समीक्षा किया। कहा कि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचे, उनके जीवन में बदलाव आये यह हम सबका प्रथम लक्ष्य होना चाहिये।

परिचर्चा में शिक्षित युवा सेवा समिति के निदेशक गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यो, रचनात्मक गतिविधियों के बारे में प्रणव भाई देसाई को विस्तार से जानकारी दिया और सहयोग के लिये आभार प्रकट किया।

कार्यक्रम में विशेष शिक्षक एवं दिव्यांग जनों ने भाग लिया। इनमें श्रवण और समर्थ दिव्यांग व्यक्तियों को स्मार्टफोन, सिलाई मशीन, स्मार्ट

विजन ग्लास जैसे उपकरण प्राप्त हुए थे, और उन्होंने इन उपकरणों से मिलने वाले लाभ के बारे में बताया। साथ ही भविष्य की चुनौतियों और उनके समाधान पर भी चर्चा की गई।

प्रणव भाई देसाई ने सरकारी योजनाओं, विशेष रूप से निरामय स्कीम, के बारे में जानकारी दी। उन्होंने दिव्यांग जनों के लिए उपलब्ध विभिन्न सहयोग योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया और सभी से आह्वान किया कि वे बस्ती जनपद में अधिक से अधिक दिव्यांग जनों को इन योजनाओं का लाभ दिलवायें।

परिचर्चा में प्रणव भाई देसाई के सलाहकार डॉ. उत्तम ओझा ने भी सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में विशेष शिक्षक विनोद, शालिनी, पूनम, अनसूया, चांदनी, राघवेन्द्र, राम जी, चंद्रशेखर, राम सुरेश, अमर सिंह, फरीदा सहित 50 से अधिक लोग शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती
बस्ती 12 जनवरी 2025 रविवार

सम्पादकीय

चुनाव और महिला केन्द्रित योजनायें

हालिया अध्ययन ने बताया है कि जिन राज्यों में महिला केंद्रित योजनाएं लागू हुई हैं, वहां महिलाओं के वोट प्रतिशत में काफी वृद्धि हुई है। यही वजह है कि अब हर चुनाव से पहले महिलाओं को लुभाने की कवायद हर राजनीतिक दल करने लगता है। पिछले दिनों मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र व झारखंड में इन लोकलुभावन योजनाओं ने सरकारों की सत्ता में फिर वापसी सुनिश्चित की है। निष्कर्ष में कहा जा सकता है कि जब किसी राज्य में महिलाओं का विकास होता है तो वे अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति अधिक सजग हुई हैं। उन्हें सरकारों की मुफ्त की स्कीमें भी खूब लुभा रही हैं। हाल ही में एसबीआई की रिसर्च रिपोर्ट बताती है कि महिला केंद्रित योजना लागू करने वाले राज्यों की संख्या 19 हो गई है। जिसमें महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, असम व कर्नाटक जैसे राज्य अग्रणी हैं। इन राज्यों में औसतन 7.8 लाख (कुल 1.5 करोड़) महिला वोटरों की संख्या में इजाफा हुआ है। वहीं दूसरी ओर जिन राज्यों में महिला केंद्रित योजनाओं पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया, वहां महिला वोटरों की औसत संख्या में कम इजाफा हुआ है। निर्विवाद रूप से विभिन्न चुनावों में लगातार महिला वोटरों का उत्साह बढ़ता जा रहा है। यहां तक कि किसी भी राजनीतिक दल की जीत या हार में उनकी निर्णायक भूमिका साफ नजर आ रही है। शोध अध्ययन बताता है कि वर्ष 2019 के आम चुनाव के मुकाबले वर्ष 2024 में 1.8 करोड़ अधिक महिला वोटरों ने मतदान किया। ये आंकड़ा पिछले दिनों देश के चुनाव आयोग ने जारी किया। दूसरी ओर एसबीआई के शोध ने उन कारणों का विश्लेषण किया जो महिला वोटरों की संख्या बढ़ाने में सहायक बने। एसबीआई की रिपोर्ट बताती है कि प्रधानमंत्री जनधन योजना और मुद्रा खाता खोलने का असर साफ दिखा। साथ ही यह भी निष्कर्ष दिया कि उन राज्यों में महिलाओं की लोकतांत्रिक प्रकिया में भागीदारी बढ़ी है जहां महिला केंद्रित योजनाएं अस्तित्व में आई हैं।

वहीं अध्ययन खुलासा करता है कि महिला साक्षरता में वृद्धि का सीधा संबंध महिला वोटरों की संख्या बढ़ने से है। महिला साक्षरता में एक फीसदी की वृद्धि से महिला वोटरों की संख्या में पच्चीस फीसदी तक का इजाफा हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार साक्षरता में वृद्धि से तीस लाख अतिरिक्त महिलाओं ने वोट डाले। इसी तरह जहां पीएम आवास योजनाओं में महिलाओं की भागीदारी हुई, वहां भी महिला वोटरों की संख्या बढ़ी है। दिलचस्प पहलू यह भी कि एससी और एसटी वर्ग में वोटिंग में लगातार इजाफा हुआ, वहीं सामान्य वर्ग में कम हुआ। पिछले दस वर्षों में जिन नौ करोड़ नये वोटरों ने वोट दिया, उसमें महिलाओं की हिस्सेदारी 5.3 करोड़ है। अतरू सरकार बनाने में महिला वोटरों की भूमिका लगातार बढ़ी है। महिला मतदाताओं की संख्या में वृद्धि के मूल में जिन चार मुख्य योजनाओं की भूमिका है, उनमें मुद्रा योजना, पीएम आवास योजना व स्वच्छता योजना शामिल हैं। दूसरी ओर बिजली, पानी आदि सुविधाओं में वृद्धि ने भी मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाई है। वहीं दूसरी ओर विभिन्न राजनीतिक दलों व सरकारों द्वारा महिला मतदाताओं को नकद धनराशि देने की योजनाओं को भी सकारात्मक प्रतिसाद मिला। मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र व झारखंड में सत्तारूढ़ दलों की चुनावों के बाद फिर वापसी में महिला वोटरों की भूमिका निर्णायक रही। मध्यप्रदेश में लाडली बहन, महाराष्ट्र में माझी लाडकी बहिन व झारखंड में मंईयां सम्मान योजना इसके उदाहरण हैं। इसी तरह पश्चिम बंगाल में लक्ष्मी भंडार, कर्नाटक में गृहलक्ष्मी , ओडिशा में शुभद्रा योजना तथा असम में मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता योजना सामने आई है। यह होड़ आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों में भी नजर आ रही है। एक ओर जहां आप सरकार ने महिला वोटरों के लिये महिला सम्मान योजना के तहत 2100 रुपये देने का वायदा किया, वहीं कांग्रेस ढाई हजार रुपये देने की योजना बना रही है। इस दिशा में भाजपा भी गंभीर है। दरअसल, दिल्ली में महिला वोटरों का प्रतिशत पुरुष वोटरों के पास पहुंच गया है। कहा जाता है कि साल 2020 के चुनावों में महिला मतदान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन जरूरत इस बात की है कि योजनाएं स्थायी प्रभाव व महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने वाली हों।

शराब का सेवन और कैंसर का खतरा

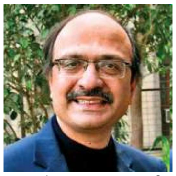

—दिनेश सी. शर्मा—

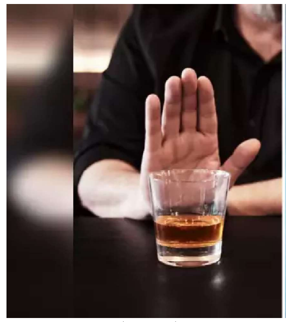

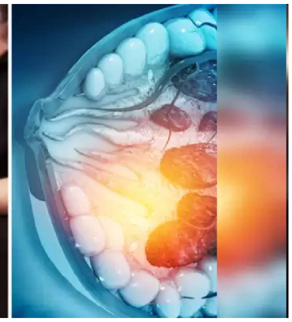

हाल ही में अमेरिका के सर्जन जनरल विवेक मूर्ति द्वारा जारी एडवाइजरी में शराब सेवन और कैंसर के बढ़ते जोखिम के बीच सीधा संबंध बताया गया। जहां इसके खतरों के प्रति सजग होना चाहिये वहीं शराब उद्योग लॉबी से सावधान रहना जरूरी है, जो देश में स्वास्थ्य संबंधी नियमों में अड़ंगा लगाने की कोशिश में रहती है।

नये साल की शुरुआत एक नई स्वास्थ्य–चेतावनी के साथ हुई है। अमेरिका के सर्जन जनरल विवेक मूर्ति ने एक परामर्श प्रपत्र जारी किया है, जिसमें शराब सेवन और कैंसर के बढ़ते जोखिम के बीच सीधा संबंध बताया गया है। अमेरिका में कैंसर का तीसरा सबसे बड़ा रोकथाम योग्य कारण मदिरा पान है। हिदायत में कहा गया है कि चाहे शराब का सेवन किसी भी प्रकार का हो, इससे कम–से–कम सात प्रकार के कैंसर (स्तन, कोलोरेक्टम, ग्रास–नली, यकृत, मुंह, गला और स्वर–यंत्र) का खतरा बढ़ जाता है। अमेरिका में स्तन कैंसर के 16.4 प्रतिशत मामले शराब सेवन की वजह से हो रहे हैं। परामर्श प्रपत्र में चेतावनी दी गई है कि स्तन, मुंह और गले जैसे कुछ कैंसर के लिए 'जोखिम प्रतिदिन एक पैग या उससे कम के शराब सेवन से भी पैदा हो सकता है'। यहां तक कि शराब की थोड़ी मात्रा भी लीवर सिरोसिस जैसी विकट बीमारियों में कारक बन सकती है। हालांकि, किसी व्यक्ति में दारू पीने से कैंसर होने का जोखिम कई जैविक, पर्यावरणीय और सामाजिक कारकों पर भी निर्भर करता है। यह सलाह विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2023 के उस बयान के बाद आई है जिसमें शराब पीने से जुड़े जोखिम और नुकसान के बारे में बताया गया था। यह निष्कर्ष वैज्ञानिक साक्ष्यों के व्यवस्थित मूल्यांकन पर आधारित है।

शराब सीधे तौर पर कई बीमारियों के लिए जिम्मेवार है और सड़क दुर्घटनाओं के पीछे दारू पीकर गाड़ी चलाना बहुत हद तक जिम्मेवार है। द लैंसेट पब्लिक हेल्थ में प्रकाशित विश्व स्वास्थ्य संगठन के बयान का निष्कर्ष है रु 'जब बात शराब के सेवन की आए, तो इसकी कोई भी वह मात्रा सुरक्षित नहीं है जिससे स्वास्थ्य प्रभावित न होता हो'। 1980 के दशक में, इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर ने शराब को 'ग्रुप– 1 कार्सिनोजेन' के रूप में वर्गीकृत किया था। यह कैंसर पैदा करने वाले पदार्थों की सबसे अधिक जोखिम वाली श्रेणी है जिसमें तंबाकू, रेडिएशन और एस्बेस्टस शामिल हैं। इथेनॉल शरीर में टूटने के कारण जैविक तंत्र के माध्यम से कैंसर का कारण बनता है। इसलिए, शराब युक्त कोई भी पेय (चाहे वह बीयर हो, वाइन हो या व्हिस्की) स्वास्थ्य के लिए जोखिम पैदा करता है। अपने बयान में, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया है कि शराब की मात्रा बढ़ने के साथ इसका जोखिम काफी हद तक बढ़ता चला जाता है। यह सुबूत इस मिथक को तोड़ता है कि कुछ मादक पेय, विशेष रूप से रेड वाइन, अगर संयम से सेवन किए जाएं तो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। दशकों से, शराब उद्योग ने हृदय रोग विशेषज्ञों को इस विचार को बढ़ावा देने के लिए गठजोड़ बनाया है कि शराब का सीमित मात्रा में सेवन हृदय के स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है, जबकि इस तरह के दावों का समर्थन करने के लिए कोई विश्वसनीय वैज्ञानिक अध्ययन नहीं हुआ है। दूसरी ओर, विश्व स्वास्थ्य संगठन के यूरोपीय क्षेत्र के डाटा से पता चलता है कि शराब से होने वाले सभी किस्म के कैंसर में आधों में कारण आमतौर पर कथित 'हल्का' अथवा 'मध्यम' मदिरा सेवन करने वाले रहे, जैसे कि प्रति सप्ताह एक बोतल शराब या दो बोतल बीयर। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, ऐसा कोई अध्ययन नहीं है जो हृदय रोग या मधुमेह पर हल्की अथवा मध्यम मात्रा में शराब पीने के लाभकारी प्रभावों को प्रदर्शित करता हो या जो इस तरह के सेवन से जुड़े कैंसर के जोखिम को कम करना स्थापित करे। विश्व स्वास्थ संगठन में शराब और अवैध नशीली दवाओं के विशेषज्ञ कैरिना फेरेरा–बोर्गेस का कहना है रु 'केवल एक चीज जो हम निश्चित रूप से कह सकते हैं वह यह कि जितना अधिक आप पीते हैं, उतना ही ज्यादा नुकसान यह करेगी। दूसरे शब्दों में, जितना कम आप पीएंगे, उतना ही आप सुरक्षित हैं'।

जब आम तौर पर उत्पादित और उपभोग किये जाने वाले इस पदार्थ (शराब) के दुष्प्रभावों के बारे में वैज्ञानिक प्रमाण हैं, जिससे सरकारों को पर्याप्त राजस्व भी मिलता है, तो नुकसान को कम करने के लिए क्या कोई विकल्प उपलब्ध हैं? शराब पर विश्व स्वास्थ्य संगठन का ब्यान उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्यों को दर्शाता है और सरकारों के लिए उपलब्ध नीतिगत विकल्प भी सुझाता है। लेकिन इस पर अमल तो सरकारों को ही करना है। शराब की खपत को कम करने में सबसे सरल विकल्पों में से एक है शराब की बोतलों पर चेतावनी लेबल के माध्यम से लोगों को संभावित नुकसान के बारे में जागरूक करना। यह उन उपायों में से एक है जो मूर्ति ने अमेरिका और कुछ यूरोपीय देशों के लिए सुझाया है, जो इस पर योजना बनाने की सोच रहे हैं। मूर्ति ने कैंसर के जोखिम को ध्यान में रखते हुए शराब के सेवन के लिए दिशा–निर्देश सीमाओं का पुनर्मूल्यांकन करने का भी आह्वान किया है।

विभिन्न देशों द्वारा विचाराधीन चेतावनी लेबल कई प्रकार के हैं – स्वास्थ्य के लिए सामान्य नुकसान, अत्यधिक उपयोग और दुरुपयोग के नुकसान और विशिष्ट समूह (कम उम्र वाले, गर्भवती महिलाएं, आदि) आधारित संदेश। उदाहरण के लिए, आयरलैंड 2026 में जो चेतावनी जारी करने की योजना बना रहा है, उसमें कहा जाएगा रु 'शराब पीने से लीवर कैंसर होता है'। 2019 में, भारत ने अधिकांशतः सामान्य चेतावनियां छापना अनिवार्य कर दिया था, जिसमें लिखा रहता है रु 'हार्ड लिकर (शराब) का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है' और कम अल्कोहल वाले पेय पदार्थों पर रु 'सुरक्षित रहें, शराब पीकर गाड़ी न चलाएं'। चेतावनी लेबल के अलावा, भारत में शराब के विज्ञापनों पर प्रतिबंध हैं। समाचार पत्र, रेडियो और टेलीविजन में शराब के विज्ञापन पर प्रतिबंध है, हालांकि विज्ञापन नियमों में खामियों का फायदा उठाते हुए कई तरीकों से 'सरोगेट विज्ञापन' वाला ढंग जारी है। हाल के वर्षों में, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से दबे–छुपे प्रचार का ढंग नई चुनौतियां पेश कर रहा है। तम्बाकू उत्पादों पर लगे चेतावनी लेबल की भांति, शराब उद्योग और इसके समर्थक समूह तर्क देते हैं कि स्वास्थ्य–चेतावनी लेबल लगाकर खपत को कम करने का असर नगण्य है। लेकिन उपलब्ध साक्ष्य बताते हैं, जैसा कि द लैंसेट में प्रकाशित एक हालिया समीक्षा में बताया गया है दृ शराब उत्पादों पर चेतावनी लेबल कई मायनों में उपयोगी हैं। वे शराब से संबंधित नुकसानों के बारे में जागरूकता बढ़ा सकते हैं, उपयोग को कम करने में योगदान दे सकते हैं और लोगों को जागरूक कर निर्णय लेने में मददगार हो सकते हैं, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य सुधार में बढ़ावा मिलता है। चेतावनी–लेबल की प्रभावशीलता उनके डिजाइन और सामग्री पर निर्भर करती है। वर्तमान में, स्वास्थ्य चेतावनी लेबल का कोई मानकीकरण नहीं है और सामग्री बहुत ही चलताऊ सी है, जो लोगों की संचेतना जगाकर निर्णय लेने में खास मददगार नहीं है। भारत ने लगभग पांच वर्षों से शराब उत्पादों पर चेतावनी लेबल लगाना अनिवार्य किया हुआ है। इसका वास्तविक असर कितना रहा इस बारे में हमें अभी तक जानकारी नहीं है। चेतावनी संदेशों के डिजाइन और सामग्री और उसका असर उपभोक्ता पर कितना है, इस पर निरंतर शोध करते रहने की हमें आवश्यकता है। स्वास्थ्य संबंधी चेतावनियों के अलावा राजमार्गों पर शराब बिक्री के नियम, कम उम्र के उपभोक्ताओं को शराब की बिक्री पर अंकुश लगाना और शराब पीकर गाड़ी चलाने जैसे अतिरिक्त उपायों को और अधिक सख्ती से लागू करने की आवश्यकता है।दारू उद्योग लॉबी से सावधान रहना बहुत जरूरी है, जो भारत में स्वास्थ्य संबंधी और अन्य नियमों में अड़ंगा लगाने की लगातार कोशिश में लगी रहती है। शराब के कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर बोझ को कम करने के लिए हमें मूर्ति जैसे सार्वजनिक स्वास्थ्य चैंपियनों की अधिक आवश्यकता है। सनद रहे, तंबाकू और कैंसर के बीच संबंध पर पहली चेतावनी भी 1964 में सर्जन जनरल ने ही दी थी।

–लेखक विज्ञान संबंधी विषय के माहिर हैं।

सांस्कृतिक बहुलता के विकास का यक्ष प्रश्न

—उमेश चतुर्वेदी—

बीसवीं सदी के भाषा दार्शनिकों में लुडविग विट्गेंश्टाइन का नाम गंभीरता से लिया जाता है। लुडविग ने भाषा को लेकर अनोखी बात कही है, 'मेरी भाषा की सीमा का अर्थ है, मेरी दुनिया की चौहद्दी।' इसका साफ मतलब यह है कि हर व्यक्ति की अपनी भाषा दरअसल उसकी दुनिया होती है। ऐसी दुनिया, जिसमें सिर्फ भूगोल ही शामिल नहीं है, इतिहास भी है और संस्कृति भी, जिसमें परंपरा भी शामिल है और सदियों का अपना एक्सक्लूसिव ज्ञान भी। जिस तरह नदियां अपने उद्गम और अपने प्रवाह वाले इलाकों की पूरी संस्कृति और पर्यावरण के अथाह गुणों को खुद में समोए रहती हैं, भाषाएं भी नदी की भांति ही अपनी परंपरा, अपनी सोच, अपने दर्शन, अपने भूगोल और अपने इतिहास के साथ ही समूची संस्कृति को लेकर प्रवाहित होती रही हैं।

यहां सवाल उठ सकता है कि भाषाओं को लेकर ऐसी बातों का संदर्भ क्या है? दरअसल संयुक्त राष्ट्र संघ के संगठन यूनेस्को ने भाषाओं को लेकर जो ताजा रिपोर्ट जारी की है, उसमें कहा गया है कि हर दो हफ्ते बाद दुनिया की एक भाषा मर रही है। यूनेस्को के अनुसार, पहले जहां हर तीन महीने के अंतराल पर एक भाषा की मौत की खबर आती थी, वहीं साल 2019 के बाद इस गति में तेजी आई है। यूनेस्को के मुताबिक, इस दर से हर साल दुनिया से करीब नौ भाषाओं का अस्तित्व खत्म होते जा रहा है। साफ है कि अगर एक भाषा मर रही है तो दरअसल उस भाषा की अपनी विशिष्ट संस्कृति, उसकी अपनी सोच और उसका अपना परिवेशबोध मर रहा है। इन अर्थों में देखें तो भाषाओं का इस तरह मरते जाना दरअसल संस्कृतियों के बहुलवादी स्वरूप का संकुचित होते जाना है।

यूनेस्को के अनुसार साल एक हजार ईस्वी तक दुनियाभर में नौ हजार से कुछ ज्यादा भाषाएं अस्तित्व में थीं। जिनकी संख्या घटते–घटते आज सात हजार के आसपास सिमट गई है। यूनेस्को को आशंका है कि भाषाओं के मरने की यही दर बनी रही तो 21वीं सदी के अंत तक दुनियाभर की करीब तीन हजार भाषाओं का अस्तित्व खत्म हो चुका होगा। भाषाओं के जानकारों के अनुसार, यूनेस्को का यह आकलन उम्मीदों से भरा है। जबकि पश्चिम के कई भाषा और मानवशास्त्री मानते हैं कि अगर भाषाओं के मरने की गति ऐसी ही रही तो साल 2200 ईस्वी तक दुनियाभर में महज 100 भाषाएं ही जीवित रह पाएंगी। भाषाओं के लुप्त होने को लेकर भारत में एक अवधारणा यह है कि जो भाषा क्लिष्ट या कठिन होती जाती है, वह लोकव्यवहार में खत्म होते जाती है। संस्कृत भाषा के बारे में नहीं कह सकते कि वह खत्म हो चुकी है, लेकिन उसका चलन घट गया है। एक खास धारा की वैचारिकी और भाषा दार्शनिक संस्कृत के चलन से बाहर होने के लिए उसके गंभीर होते जाने का उदाहरण देते हुए भाषाओं के लुप्त होने का सिद्धांत गढ़ते रहे हैं। लेकिन क्या सचमुच भाषाएं सिर्फ इसी वजह से खत्म हो रही हैं कि वे क्लिष्ट या कठिन होती जा रही हैं? आधुनिक संदर्भों में देखें तो यह तर्क सही नहीं लगता। अंग्रेजी को ही लीजिए। कठिन अंग्रेजी बोलना शान का प्रतीक माना जाता है। इस लिहाज से तो उसे भी चलन से दूर होना चाहिए था। लेकिन उलटे वह बढ़ रही है।

आधुनिक विश्व में सबसे बेहतरीन व्यवस्था लोकतंत्र को माना जा रहा है। लेकिन यह लोकतंत्र सिर्फ राजनीतिक संदर्भों तक ही सिमटता जा रहा है। विश्व ग्राम में बदली दुनिया में हर देश में एकरूपता बढ़ती जा रही है। संस्कृतियां और उनकी अपनी विशिष्ट परंपराएं रोजाना के व्यवहार का विषय नहीं रहीं। उदारीकरण और वैश्वीकरण की वजह से पूरी दुनिया तकरीबन एक तरह से खानपान, एक तरह के पहनावे और एक तरह की भाषा की ओर आकर्षित होती जा रही है। पश्चिमी सभ्यता और उसका सलीका ही मानक बनते जा रहे हैं। इस लिहाज दुनियाभर की बोलियों में भी एकरूपता कभी सायासिक, तो कभी अनायास ही होती जा रही है। इस पूरी प्रक्रिया में छोटे समुदायों की भाषाएं लगातार किनारे होते जा रही हैं। चूंकि रोजी और रोजगार के लिए छोटे समुदायों की भाषाएं सहयोगी नहीं रह पाई हैं तो उनका चलन रोजाना की जिंदगी से कम होता जा रहा है और भाषाएं मर रही हैं। इसमें हर देश की अपनी केंद्रीय भाषा बड़ी केंद्रीय भूमिका में हैं, वहीं उसके देसज रूप लगातार या तो कमजोर हुए हैं या फिर लुप्त हो रहे हैं। कथित आधुनिक सोच इस प्रवृत्ति को और बढ़ावा दे रही है। भारत में अंग्रेजी इस आधुनिकता की वाहक है। इसी तरह कुछ प्रमुख भाषाएं अपने–अपने क्षेत्रों में आधुनिकता का केंद्रीय तत्व बन चुकी हैं।

इस पूरी प्रक्रिया में बहुत ऐसी भाषाएं हैं, जो इतने कम लोगों द्वारा बोली जाती हैं कि निकट भविष्य में उनका अस्तित्व ही नहीं रहेगा। यूनेस्को की रिपोर्ट एटलस–लुप्तप्राय भाषाएं' के अनुसार भारत में तीन ऐसी भाषाएं हैं, जिनके अस्तित्व पर संकट आ खड़ा हुआ है। इसमें पहले नंबर पर कर्नाटक की कोरगा है, जिसे बोलने वालों की संख्या महज सोलह हजार ही है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश की सिरमौरी भाषा है, जिसे महज 31 हजार लोग ही बोलते हैं। इस सूची में तीसरे स्थान पर छत्तीसगढ़ की पारजी भाषा है, जिसे सिर्फ पचास हजार लोग बोल रहे हैं। जाहिर है कि इन भाषाओं के अस्तित्व पर संकट आ खड़ा हुआ है। एकीकरण के दौर में रोहिंग्या लोगों की भाषा हनीफी पर मरने के कगार पर है। यूरोप में ऐसे ही अस्तित्व के संकट से आयरिश, सिसिली और यिडिश भाषाएं भी जूझ रही हैं।

हमें याद रखना चाहिए कि भाषाओं की गहन विविधता सांस्कृतिक विविधता को ना सिर्फ सुनिश्चित करती है, बल्कि अपने क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को आकार देती है। अगर आज के दौर में किसी भाषा को पीछे धकेला जा रहा है या किनारे किया जा रहा है तो इसका मतलब यह भी है कि इसके जरिए एक तरह से उस भाषा विशेष के इलाके की संस्कृति का हिस्सा भी गायब हो रहा है। हर संस्कृति में सबकुछ लिखने की क्षमता नहीं होती, उसके कई तत्व श्रुति, स्मृति और चलन के सहारे जिंदा रहते हैं। भाषा के मरने के बाद संस्कृति का यह अलिखा हमेशा–हमेशा के लिए खत्म हो जाता है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी भाषाओं को जिंदा रखें। भाषाओं को जिंदा रखने के लिए स्थानीय स्तर पर कोशिशें भी हो रही हैं। चीन ने अपनी पुरानी मंदारिन को संरक्षित करने के लिए अभियान चला रखा है। नाइजीरिया अपनी भाषाओं को वाचिक रूप में बचाए रखने के लिए रिकॉर्ड करने का सहारा ले रहा है। भारत में भी कई लोग अपनी बोलियों के लिए ऐसी कोशिशें कर रहे हैं। मरती हुई भाषाओं के लिए व्यक्तिगत की बजाय सामूहिक कोशिशें होनी चाहिए।

भाषाएं क्यों जरूरी हैं, इसे हमें अमेरिकी नारी वादी रीटा मे ब्राउन के शब्दों में समझ सकते हैं। रीटा कहती हैं, "भाषा किसी भी संस्कृति का रोडमैप होती है। वह आपको बताती है कि इसे बोलने वाले लोग कहां से आते हैं और कहां जा रहे हैं।" –(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

एक सर्दी का मेहमान पक्षी विलुप्ति के कगार पर

—प्रदीप नामदेव चोगले—

हर सर्दी में भारत की विविध जलभूमियां, और तटीय क्षेत्र में आर्कटिक की कठोर ठंड से बचने के लिए आने वाले प्रवासी पक्षियों का ठिकाना बन जाते हैं। इन प्रवासी मेहमानों में कर्लू सैंडपाइपर नामक एक छोटा पक्षी भी शामिल है, जो अपनी बनावट और लंबी प्रवास यात्रा के कारण पक्षी प्रेमियों को आकर्षित करता है। लेकिन भारत में इस पक्षी की उपस्थिति लगातार घटती जा रही है, जिससे यह संरक्षण की उच्च प्राथमिकता वाली प्रजातियों में शामिल हो गया है।

कर्लू सैंडपाइपर एक प्रवासी जलपक्षी है जो जलाशयों पर निर्भर रहता है। यह पक्षी साइबेरिया के आर्कटिक टुंड्रा में प्रजनन करता है और सर्दी आते ही अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और भारतीय उपमहाद्वीप के गर्म इलाकों में हजारों किलोमीटर की यात्रा करता है। भारत में इसे कच्छ की खाड़ी, महाराष्ट्र के ठाणे क्रीक, चिल्का झील, और पॉइंट कैलिमेर जैसे तटीय इलाकों में देखा जा सकता है। यहां यह कीचड़भरे मैदानों और अकशेरुकी जीवों से भरपूर भोजन स्थलों पर निर्भर रहता है। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले जैसे क्षेत्रों में, जो प्रवासी पक्षियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है, कर्लू सैंडपाइपर जैसे पक्षी बड़ी संख्या में देखे जाते हैं।

कर्लू सैंडपाइपर की स्थिति नियर थ्रेटेंड' के रूप में आईयूसीएन रेड लिस्ट में दर्ज है, जो इसकी घटती संख्या को दर्शाती है। वर्ष 1980 के दशक में मन्नार की खाड़ी में जहां 10,000 से अधिक कर्लू सैंडपाइपर देखे जाते थे, वहां 2005 तक इनकी संख्या घटकर 1,000 से कम हो गई। चिल्का झील में, जो कभी 54,000 पक्षियों का घर हुआ करती थी, अब इनकी संख्या 8,000 से भी कम रह गई है। कर्लू सैंडपाइपर के सर्दियों के महीनों के लिए आवश्यक तटीय आवास भारी दबाव में हैं। कीचड़भरे मैदान, ज्वारनदीमुख, रेतीले तट, और मैंग्रोव जैसे क्षेत्र इस पक्षी और अन्य जलपक्षियों के लिए महत्वपूर्ण हैं। विकास, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसे खतरों के कारण इन आवासों का विनाश पक्षियों के अस्तित्व पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है।

भारत में कर्लू सैंडपाइपर को उच्च संरक्षण प्राथमिकता वाली प्रजाति के रूप में पहचाना गया है। हरियाणा जैसे राज्यों ने इसे उन प्रजातियों में सूचीबद्ध किया है जिन्हें तत्काल संरक्षण की आवश्यकता है। भारत में यह पक्षी वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की अनुसूची IV के तहत संरक्षित है, लेकिन इस कानूनी सुरक्षा को जमीनी स्तर पर प्रभावी संरक्षण उपायों में बदलने की आवश्यकता है।

कर्लू सैंडपाइपर अपनी सर्दियों की जलभूमियों पर निर्भरता के कारण पर्यावरणीय परिवर्तनों के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील है। मन्नार की खाड़ी और चिल्का झील जैसे स्थानों में इसकी घटती संख्या न केवल इस पक्षी की स्थिति को उजागर करती है, बल्कि उन पारिस्थितिकी तंत्रों की चुनौतियों को भी सामने लाती है, जो इन स्थानों पर निर्भर अन्य प्रजातियों को भी प्रभावित कर रही हैं।

कर्लू सैंडपाइपर और अन्य प्रवासी पक्षियों की रक्षा के लिए व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। तटीय क्षेत्रों और आर्द्रभूमियों को अतिक्रमण, प्रदूषण और विकास के खतरों से बचाना होगा। समुदायों को जागरूक कर उनके साथ मिलकर संरक्षण प्रयासों को सफल बनाया जा सकता है। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग भी इन प्रयासों को मजबूत कर सकता है, क्योंकि प्रवासी पक्षी अपनी वार्षिक यात्रा के दौरान कई देशों पर निर्भर रहते हैं।

सरसों के खेत में मिला तेंदुए के शावक का शव

संवाददाता–बहराइच। सरसों के खेत में तेंदुए के शावक का शव मिला। किसी बड़े जानवर के हमले का अंदेशा है। उसके शरीर का काफी मांस गायब है। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग में शुक्रवार की रात एक तेंदुए के शावक की मौत हो गई। खेत में तेंदुए का शव देख ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना पर वन टीम मौके पर पहुंची और मौके पर जांच पड़ताल कर शव वन रेंज कार्यालय पहुंचाया। जहां पोस्टमार्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। तेंदुए के मौत का कारण किसी बड़े तेंदुए द्वारा हमला किया जाना बताया जा रहा है। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग सुजौली वन रेंज के कठौतिया गांव निवासी कुछ ग्रामीण शुक्रवार की रात फसल रखवाली के लिए खेत जा रहे थे। इस दौरान गांव किनारे सरसो के खेत में तेंदुए का शव देख सभी सहम गए। ग्रामीणों ने तत्काल तेंदुए का शव पड़ा होने की सूचना सुजौली वन रेंज के अधिकारियों को दी। सूचना पर रेंजर रोहित कुमार वन टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। जांच के बाद डीएफओ के निर्देश पर पोस्टमार्टम के लिए शव को मुर्तिहा वन रेंज कार्यालय पहुंचाया। जहां पशु चिकित्सक डॉ दीपक ने टीम के साथ तेंदुए के शव का पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में तेंदुए का किसी बड़े वन्यजीव के साथ संघर्ष में मौत होने की बात कही जा रही है। डीएफओ बी. शिवशंकर ने बताया कि मृत तेंदुए की उम्र लगभग पांच से छह माह है और यह नर शावक है। वर्तमान में मेटिंग का समय चल रहा है, इससे आपसी संघर्ष होते हैं। मौत के पीछे प्रथम दृष्टया किसी बड़े तेंदुए के हमले की संभावना है। तेंदुए का शव पीछे से खाया गया है और गर्दन पर भी दांत के निशान मिले हैं। जांच की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में वृद्ध की मौत

संवाददाता–देवरिया। रात को सोया एक वृद्ध शनिवार की सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मृत अवस्था में बिस्तर पर मिला। मौत की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वह शुक्रवार की देर रात को चौराहे से आने के बाद दरवाजे पर गिर गया था। थाना क्षेत्र के मठ केश्वर राम खजुरी करौता गांव के रहने वाले सुभाष गिरी (70) पुत्र स्व.मुन्नी गिरी शुक्रवार की शाम को बाइक से चौराहे की तरफ गए थे, जहां से वह देर रात को घर लौटे। दरवाजे पर बाइक खड़ी कर घर में जाने के लिए बरामदे की सीढ़ी पर चढ़ रहे थे कि उसी समय वह गिर गए। परिजनों की मानें तो वह शराब के आदी थे। सीढ़ी पर गिरने के बाद परिजन उन्हे उठाकर बिस्तर पर लेटा दिए। शनिवार की सुबह जब परिजन सुभाष को जगाने गए तो वह मृत अवस्था में बिस्तर पर पड़े थे। मौत की जानकारी होते ही परिवार के लोग रोने लगे। आवाज सुनकर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गयी। जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। खुखुन्दू थानाध्यक्ष दिग्विजय सिंह ने बताया कि एक वृद्ध की मौत हुई है। शनिवार की सुबह वह मृत अवस्था में मिले थे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

श्री राम नगरी में शुरू हुआ प्रथम प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

प्रभु श्री राम लला का पंचामृत से किया गया अभिषेक, तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्य गोपाल दास, योगी आदित्यनाथ ने उतारी आरती

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। पौष शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि पर प्रभु श्री राम लला 500 वर्षों के इंतजार के बाद मंदिर परिसर में उपस्थित हजारों संतों की मौजूदगी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरती उतार कर प्राण प्रतिष्ठा की थी। जिसमें संतो महंतों के साथ पूरे देश के सम्मानित उद्योगपति प्रतिष्ठित कलाकार और सभी क्षेत्र के जानी–मानी हस्तियां उपस्थिति रही आज शनिवार को प्राण प्रतिष्ठा के प्रथम दिवस की बेला पर श्री राम लला का पंचामृत से अभिषेक पूजन कर तीन दिवसीय अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ। अभिषेक पूजन के दौरान अस्वस्थ होने के बावजूद भी श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष मणिराम छावनी के महंत नृत्य गोपाल दास पूरे समय उपस्थित रहे।

विधिवा पूजन और अभिषेक के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आरती उतारी और संतों का अभिवादन स्वीकार किया। पूजन अभिषेक के दौरान जगतगुरु शंकराचार्य विश्व प्रसन्न तीर्थ माधवाचार्य महाराज, जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी विद्याभास्कर जी महाराज, मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, श्री राम वल्लभा कुंज अधिकारी राजकुमार दास, हनुमत निवास के महंत मिथिलेश नंदनी शरण, प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय, विश्व हिंदू परिषद के दिनेश जी मौजूद रहे। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की प्रथम वर्षगांठ की तैयारी कई दिनों से चल रही थी पूरे अयोध्या नगर को पुष्पों से सजाया गया है जगह–जगह तोरण द्वार बनाए गए हैं और अयोध्या वासियों के अयोध्या में आने वाले श्रद्धालु प्रसन्न और खुश दिखाई दे रहे हैं। यह कार्यक्रम तीन दिन तक चलेगा।

एसपी ने पूरी चौकी को किया सस्पेंड, मचा हड़कंप

संवाददाता–बहराइच। जिले में पुलिस अधीक्षक ने सात पुलिसकर्मियों पर ऐक्शन लिया है। लापरवाही और अनुशासनहीनता में एक साथ पूरी चौकी के सस्पेंड होने से विभाग में हड़कंप मच गया है।

पुलिस अधीक्षक ने बड़ा ऐक्शन लिया है। यहां लापरवाही ओर अनुशासनहीनता पर विभागीय कार्रवाई करते हुए चौकी इंचार्ज समेत सात पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। दरअसल, आईजी अमित पाठी ने पुलिस अधीक्षक के साथ मामले को लेकर जांच करने घटनास्थ पर पहुंचे थे। इसके बाद एसपी ने पूरी चौकी को सस्पेंड किया। इसी कार्रवाई से महकमे में हड़कंप मच गया है।

घटना जिले के जालिम नगर पुलिस चौकी का है, जो मोतीपुर थाना क्षेत्र में स्थित है। इस चौकी पर 02ध03 जनवरी 2025 की रात को एक ट्रक चढ़ गया था, जिसके परिणामस्वरूप फूस के मकान में संचालित चौकी पूरी तरह से ध्वस्त हो गई थी। इस हादसे का मामला पुलिस ने थाने में दर्ज करवाया था और इसके साथ ही जांच भी शुरू की गई थी। इस मामले को लेकर गुरुवार को आईजी अमित पाठक ने पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले में संदिग्धता मिलने पर पुलिस अधीक्षक ने कार्रवाई करने का निर्णय लिया और शुक्रवार देर शाम चौकी इंचार्ज दिनेश बहादुर, हेड कांस्टेबल नरसिंह, रामानन्द, रामसुमेर, सिपाही गौरव कुमार, धर्मजीत और अवनीश कुमार को निलंबित कर दिया है। एसपी के ऐक्शन के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि यह कार्रवाई विधिक कार्रवाई में बाधा डालने, प्रकरण से संबंधित लोगों को परेशान करने, मानसिक संत्रास देने, पुलिस की छवि को धूमिल करने, अपने पदीय दायित्वों को नहीं निभाने , स्वेच्छाचारिता करने और अनुशासनहीनता के मामलों में की गई है।

सड़क हादसों में दो की मौत, शव रखकर लोगों ने लगाया जाम

संवाददाता–महराजगंज। घुघली क्षेत्र में दो अलग–अलग हादसों में दो लोगों की मौत हो गई है। दोनों घटनाएं शुक्रवार की रात की हैं। एक मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर नाराज परिजनों व लोगों ने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। इस मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। कार्रवाई का भरोसा देकर जाम समाप्त कराया गया। इस दौरान अफरा–तफरी मची रही और पुरैना–निचलौल मार्ग पर दोनों ओर गाड़ियों की लाइन लग गई थी। शुक्रवार की शाम गोपाला गांव निवासी सीताराम साहनी (58) गांव के बाजार से सामान लेकर घर लौट रहा था। इसी दौरान सामने से तेज गति आ रहे बाइक चालक ने उसे जोरदार ठोकर मार दी। हादसे के बाद बाइक चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। आनन–फानन में एंबुलेंस बुलाकर परिजन घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए। प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने उसकी नाजुक हालत देख मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया, लेकिन गोरखपुर ले जाते समय रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। घायल की मौत के बाद लोगों ने 112 नंबर पर फोन कर पुलिस को सूचना देने की कोशिश की लेकिन लोगों के अनुसार पुलिस से संपर्क नहीं हो सका। इसके बाद परिजन शव लेकर घर आ गए।

गोपाला निवासी सीताराम साहनी की मौत के बाद परिजन शव लेकर घर लौट आए। शनिवार की सुबह 7 बजे कार्रवाई की मांग को लेकर परिजनों का आक्रोश बढ़ गया। ग्रामीणों के साथ परिजनों ने गांव के सामने पुरैना–निचलौल मार्ग पर सीताराम के शव को रखकर जाम लगा दिया। जाम के कारण करीब एक घंटे तक अफरा–तफरी मची रही। सूचना पर पहुंचे एसओ कुंवर गौरव सिंह ने परिजनों व ग्रामीणों से बातचीत शुरू की। इस मामले में कड़ी कार्रवाई का भरोसा देकर एसओ ने ग्रामीणों को शांत किया। इसके बाद सड़क से शव हटाकर जाम समाप्त किया गया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और अज्ञात बाइक चालक के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। एसओ ने बताया कि सूचना पर मौके पर पहुंचकर स्थिति को सामान्य किया गया। मृतक की बहू की तहरीर पर केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

दूसरा हादसा शुक्रवार की रात को हुआ। घुघली क्षेत्र के ही ग्राम भरवलिया का रहने वाला जनार्दन (34) लकड़ी मिस्त्री का काम करता था। घुघली–रामपुर मोड़ स्थित फर्म से काम कर साइकिल से वह घर लौट रहा था कि घुघली–शिकारपुर मार्ग स्थित भरवलिया मोड़ के सामने विपरीत दिशा से आ रहे अज्ञात वाहन चालक ने उसे ठोकर मार दी। हादसे के बाद वह गाड़ी लेकर फरार हो गया। इस घटना में जनार्दन बुरी तरह घायल होकर वहीं छटपटाने लगा। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घुघली पहुंचाया, जहां जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पास मिले पहचान पत्र के आधार पर पुलिस ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी।

एसएसबी व वन विभाग टीम ने नेपाली शिकारी को पकड़ा

संवाददाता–बलरामपुर। एसएसबी व वन विभाग टीम ने शुक्रवार देर रातं भांभर रेंज के मटहा जंगल में वन्यजीव का शिकार करने आए एक नेपाली युवक को गिरफ्तार किया है। तीन अन्य शिकारी हवाई फाइरिंग करते हुए नेपाल की ओर भाग निकले। पकड़े गए शिकारी के पास भरुई बंदूक, बारूद व कई धारदार औजार बरामद हुए हैं। अन्य शिकारियों का पता लगाने के लिए वन विभाग टीम जंगल में एसएसबी के साथ कांबिंग कर रही है। एसएसबी नवी वाहनी के सेना नायक मनोरंजन कुमार पाण्डेय को देर रात मुखविर से सूचना मिली कि कुछ सशस्त्र नेपाली शिकारी सीमा चौकी भगवानपुर कार्यक्षेत्र स्थित संरक्षित वनक्षेत्र में शिकार करने आए हैं। चौकी पर तैनात सहायक उप निरीक्षक मदन लाल, मुख्य आरक्षी संजय कुमार दास, आरक्षी राजेश कुमार, मुकेश शाह, पार्थ, किशोर मुखविर के बताए स्थान की ओर रवाना हो गए।

नन्हे धावक मोहब्बत को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। पंजाब से अयोध्या पहुंचे नन्हे धावक मोहब्बत का परिचय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कराया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंच पर नन्हे बालक को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया और गिफ्ट के रूप में मोबाइल समर्पित की। यह 6 वर्षीय नन्हा धावक पंजाब पाकिस्तान बॉर्डर फाजिल्का जिले का है और 55 दिनों में यह 1000 किलोमीटर की दौड़ लगा करके अयोध्या पहुंच प्रतिदिन लगभग 20 किलोमीटर की दूरी यह दौड़ता था और आज भी कार्यक्रम में कर सेवक पुरम से दौड़ करके अंगद टीले पर पहुंचा जहां मुख्यमंत्री ने सम्मान किया इनके पिता नई का काम करते हैं।

जाली नोटों के धंधे का खुलासा करने वाली टीम सम्मानित

संवाददाता–श्रावस्ती। कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने को लेकर एसपी की ओर से शनिवार को पुलिस कार्यालय सभागार में सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस कर्मचारियों से उनकी समस्याओं की जानकारी ली गई। साथ ही बीते दिनों जाली नोटों के कारोबार का खुलासा करने वाली टीम को सम्मानित किया गया। सम्मेलन में पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने पहले विभिन्न थाना व शाखा से आए पुलिस कर्मचारियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी और समाधान का आश्वासन दिया। एसपी ने प्रतिसार निरीक्षक व थाना प्रभारियों को पुलिस कर्मियों के आवासीय परिसरों और बैरकों में साफ–सफाई, बिजली–पानी की बेहतर व्यवस्था व पौष्टिक भोजन मुहैया कराने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि बीट क्षेत्र किसी भी परिस्थिति में खाली न रहे। बीट बुक में सक्रिय अपराधियों का विवरण दर्ज कर उनकी नियमित निगरानी करें। इसके साथ ही महिला बीट प्रणाली को सुदृढ़ बनाने, शक्ति दीदियों को नियमित रूप से क्षेत्र में भ्रमणशील रहने व महिलाओं व बच्चों को सुरक्षा मुहैया कराने का निर्देश दिया।

एसपी ने भारत नेपाल सीमा पर एसएसबी के साथ नियमित गश्त करने, संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की जांच करने, मादक पदार्थ तस्करी व कच्ची शराब पर अंकुश लगाने का निर्देश दिया। इस दौरान जाली नोट के कारोबार का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली एसओजी टीम प्रभारी नितिन यादव, मुख्य आरक्षी अवनीश विक्रम सिंह, आरक्षी वीरेंद्र यादव, अभिषेक सिंह, रिषभ गौड़, अभिषेक सिंह व पुलिस टीम से गिरंट थानाध्यक्ष शैलकान्त उपाध्याय, उपनिरीक्षक विशाल शुक्ला, अंकुर वर्मा, छैल बिहारी, अनीष गौड़, मुख्य आरक्षी जितेंद्र कुमार यादव, भोला सिंह, आरक्षी विवेक सिंह, संजीत कुमार व प्रवीण पाण्डेय को एसपी ने सम्मानित किया। इसके साथ ही यातायात अभियान में बेहतर काम करने वाले प्रभारी यातायात मोहम्मद शमीम, मिशन शक्ति अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका पर महिला आरक्षी अंजना दुबे व कुमकुम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

25 हजार का इनामी पशु तस्कर गिरफ्तार, मुठभेड़ में घायल

संवाददाता–कुशीनगर। पुलिस और पशु तस्करों के बीच शनिवार को मुठभेड़ हो गई। क्षेत्र के लवनिया पगरा पड़री नहर मार्ग पर हुए मुठभेड़ में दो पशु तस्कर घायल हो गए। पुलिस उनके कब्जे से चार पहिया बरामद करते हुए घायल तस्करों को इलाज के लिये सी एच सी फाजिलनगर पहुंचाया है। जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायल तस्कर में एक 25 हजार का इनामिया बताया जाता है। घायल तस्कर आजाद अली 25 पुत्र शाहिद निवासी ज्वार थाना पटहेरवा,परवेज 20 पुत्र वजीर निवासी सरेया खुर्द थाना तमकुही के निवासी बताए जाते हैं। तस्करों से मुठभेड़ के दौरान थानाध्यक्ष पटहेरवा दीपक कुमार सिंह,थानाध्यक्ष तमकुही अमित कुमार शर्मा,थानाध्यक्ष तरया सुजान राज प्रकाश सिंह सहित पटहेरवा पुलिस अन्य कर्मी लगे रहे।

2017 के बाद ही फैसले की उम्मीद जगी -चंपत राय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा के प्रथम वर्षगांठ पर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने अपने संबोधन में कहा कि गोरखनाथ पीठ की स्थापना 1000 वर्ष पहले हुई होगी और तब से यह परंपरा अनवर चली आ रही है और यह मत हमेशा मंदिर आंदोलन से जुड़ा रहा। उन्होंने कहा कि श्री महाराज जी दिग्विजय नाथ का सानिध्य बहुत अधिक तो हमें नहीं प्राप्त हुआ लेकिन अवैद्यनाथ जी महाराज हमेशा मंदिर के लिए प्रेरणा दिया करते थे और उनका संध हमें प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि ऐसा माना जाता है कि पिता का आस्क पुत्र में होता है तो जैसे दिग्विजय नाथ जी थे योगी आदित्यनाथ जी उसी रास्ते पर चलते हुए सनातन धर्म को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस पीठ में सब को स्वीकार किया जाता था।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश 2017 में योगी आदित्यनाथ की सरकार बनने के बाद ही फैसले के आसार दिखाई देने लगे क्योंकि सभी दस्तावेज हिंदी संस्कृत एवं अन्य भाषाओं में थे, सुप्रीम कोर्ट की भाषा अंग्रेजी है और उत्तर प्रदेश सरकार के महाधिवक्ता ने कहा कि जितना समय आप कहेंगे उतने समय में इन सभी दस्तावेजों का ट्रांसलेशन और आज उसी की देन है कि 2019 में फैसला आया और हम लोग प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ मना रहे हैं। उन्होंने मंदिर आंदोलन से जुड़े अशोक सिंघल रामचंद्र परमहंस जी महाराज महंत अभिराम दास जी महाराज को याद किया और कहा कि परंपराओं और सतत प्रयास का परिणाम हम लोगों के समक्ष है अगर सतत प्रयास किया जाए तो सभी कार्य सफल होते हैं।

सात मीटर चौड़ा होगा उतरौला–पचपेड़वा–चंदनपुर मार्ग

संवाददाता–बलरामपुर। उतरौला–पचपेड़वा–चंदनपुर मार्ग का चौड़ीकरण किया जाएगा। इसके लिए एक अरब 51 करोड़ 14 लाख 62 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे। 38 किलोमीटर सड़क को सात मीटर चौड़ा किया जाएगा और इसकी मरम्मत भी करवाई जाएगी। अभी सड़क की चौड़ाई महज तीन मीटर है, जिससे आवागमन में दिक्कतें हो रही हैं। सड़क चौड़ी होने से 10 लाख लोगों की राह सुगम होगी। पूर्व विधायक गैसड़ी शैलेश कुमार सिंह शैलू ने बताया कि उन्होंने नौ दिसंबर 2024 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उतरौला–पचपेड़वा–चंदनपुर मार्ग के चौड़ीकरण के लिए प्रस्ताव दिया था। मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रमुख अभियंता लखनऊ अवधेश शरण चौरसिया ने आठ दिसंबर को मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग देवीपाटन मंडल गोंडा से परीक्षण कराया था। इसके बाद सड़क को चौड़ा व मरम्मत कराने की मंजूरी प्रदान कर दी है। सड़क के चौड़ीकरण में भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं है। मुख्य अभियंता ने अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड कुमार शैलेंद्र को सड़क की मरम्मत व चौड़ीकरण कराने के संबंध शीघ्र प्रक्रिया पूरी कराने का निर्देश दिया है, ताकि समय पर कार्य पूरा कराया जा सके। क्षेत्रवासी नंदकुमार पांडेय, अजीज, मनोज व सुनील का कहना है कि उतरौला–पचपेड़वा–चंदनपुर मार्ग चौड़ा और उसकी मरम्मत होने से गैसड़ी व उतरौला विधानसभा क्षेत्र के 10 लाख लोगों का आवागमन सुगम होगा। क्षेत्र के लोगों को उतरौला जाने के लिए जिला मुख्यालय का चक्कर नहीं काटना पड़ेगा। इस सड़क का कायाकल्प होने पर बलरामपुर व सिद्धार्थनगर जनपदों के लोगों को भी लाभ मिलेगा। कुमार शैलेंद्र, एक्सईएन प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग ने कहा कि उतरौला–पचपेड़वा–चंदनपुर मार्ग की मरम्मत और चौड़ीकरण के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बजट आवंटित होने के बाद काम तत्काल शुरू करा दिया जाएगा।

भूमि वरासत के मामले में लेखपाल–कानूनगो और ग्राम प्रधान समेत 10 पर मुकदमा, जांच शुरू

संवाददाता–गोण्डा। जिले में भूमि वरासत के मामले में लेखपाल–कानूनगो और ग्राम प्रधान समेत 10 पर मुकदमा दर्ज किया गया है। लेखपाल, कानूनगो, ग्राम प्रधान सहित दस लोगों को नामजद किया गया है। कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। गोंडा में भूमि वरासत के मामले में कोर्ट के आदेश पर इटियाथोक कोतवाली में कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है। मुकदमें में लेखपाल, कानूनगो, ग्राम प्रधान सहित दस लोगों को नामजद किया गया है। कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मामला कोतवाली इटियाथोक के ग्राम रमवापुर गोविंदा का है। यहां की रहने वाली मारिया माया के पति हरिराम पुत्र मोतीराम का निधन हो गया था। उनके इकलौते बेटे रामकेवल का भी निधन करीब 11 वर्ष पूर्व हो चुका है। पत्नी मारिया माया ने पति और बेटे की मौत के बाद जमीन की जायज वारिस होने का दावा किया। पत्नी ने जमीन को अपने नाम वरासत में दर्ज करने की कवायद शुरू की। आरोप है कि मामले में पत्नी मारिया माया के दो सगे देवर शोभाराम और सहजराम ने राजस्व विभाग से जुड़े कर्मचारियों से साठगांठ कर मृतक भाई हरिराम की जमीन का कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जांच रिपोर्ट में गांव के रामसमुझ, ननके और राकेश द्वारा जूठी गवाह दर्ज कराकर बेशकीमती जमीन को शोभाराम और सहजराम ने अपने नाम दर्ज करवा ली। गोंडा में भूमि वरासत के मामले में कोर्ट के आदेश पर इटियाथोक कोतवाली में कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है। मुकदमें में लेखपाल, कानूनगो, ग्राम प्रधान सहित दस लोगों को नामजद किया गया है। कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मामला कोतवाली इटियाथोक के ग्राम रमवापुर गोविंदा का है। यहां की रहने वाली मारिया माया के पति हरिराम पुत्र मोतीराम का निधन हो गया था। उनके इकलौते बेटे रामकेवल का भी निधन करीब 11 वर्ष पूर्व हो चुका है। पत्नी मारिया माया ने पति और बेटे की मौत के बाद जमीन की जायज वारिस होने का दावा किया। पत्नी ने जमीन को अपने नाम वरासत में दर्ज करने की कवायद शुरू की। आरोप है कि मामले में पत्नी मारिया माया के दो सगे देवर शोभाराम और सहजराम ने राजस्व विभाग से जुड़े कर्मचारियों से साठगांठ कर मृतक भाई हरिराम की जमीन का कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जांच रिपोर्ट में गांव के रामसमुझ, ननके और राकेश द्वारा जूठी गवाह दर्ज कराकर बेशकीमती जमीन को शोभाराम और सहजराम ने अपने नाम दर्ज करवा ली।

पीड़ित महिला मारिया माया ने मामले को लेकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने वरासत की जमीन के मामले में दस लोगों के खिलाफ कोतवाली इटियाथोक को मुकदमा लिखने का आदेश जारी किया। प्रभारी निरीक्षक इटियाथोक शेषमणि पाण्डेय ने बताया न्यायालय के आदेश पर कानूनगो राम प्रकाश पाण्डेय, लेखपाल विजय कुमार सिंह, प्रधान बाबादीन मौर्य, शोभाराम, रघुनंदन मौर्य, बृजाराम, राजेंद्र प्रसाद, राम समुझ, ननके एवं राकेश के खिलाफ बलवा, धोखाधड़ी, जालसाजी, छेड़खानी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस पड़ताल में जुटी हुई है।

गांव में तेंदुए की दस्तक, बछड़े को बनाया निवाला, ग्रामीणों में फैली दहशत

संवाददाता–श्रावस्ती। एक गांव में तेंदुए ने दस्तक दी। यहां उसने बछड़े को अपना निवाला बनाया। इससे ग्रामीणों में दहशत फैली है। सोहेलवा जंगल से निकले एक तेंदुए ने शुक्रवार रात गांव में एक बछड़े को अपना निवाला बना लिया। इस दौरान बछड़े की आवाज सुन जगे पशुपालक के शोर मचाने व ग्रामीणों के हाका लगाने पर तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने बछड़े को पोस्टमार्टम के लिए राजकीय पशु चिकित्सालय सिरसिया के चिकित्सक को मौके पर बुलाया है।

सिरसिया थाना क्षेत्र का बालू घोलिया गांव पूर्वी सोहेलवा जंगल से सटा है। गांव निवासी लक्ष्मी नारायण वर्मा अपने मवेशी गांव के बाहर बने घरुही में बांधते थे। जहां शुक्रवार रात जंगल से आए तेंदुए ने घरुही में बंधी गाय व बछड़े पर हमला कर दिया।

बछड़े की आवाज सुन जगे लक्ष्मी नारायण के शोर मचाने पर लाठी डंडा लेकर हाका लगाते हुए ग्रामीण दौड़ पड़े। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने देखा कि तेंदुआ बछड़े को खा रहा था। ग्रामीणों का शोर सुन तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया।

ग्रामीणों की सूचना पर शनिवार सुबह टीम के साथ गांव पहुंचे वन क्षेत्राधिकारी अनिमेष वर्मा ने घटनास्थल का जायजा लिया। साथ ही ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह भी दी। वहीं टीम ने बछड़े के क्षत–विक्षत शव को पोस्टमार्टम के लिए राजकीय पशु चिकित्सालय सिरसिया के चिकित्सक को मौके पर बुलाया है।

वहीं तेंदुए के हमले के बाद ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है।

आयकर विभाग ने तीसरे दिन भी की छापेमारी, माननीय का नहीं रखा मान कहीं इसलिए तो चर्चा में नहीं आए प्रतिष्ठान

संवाददाता–गोरखपुर। चर्चा है कि कुछ दिन पहले जनप्रतिनिधि के रिश्तेदार शोरूम में गाड़ी खरीदने आए थे। इस दौरान उन्होंने परिचय दिया तो निदेशक ने खुद को जनप्रतिनिधि का परिचित बताते हुए पांच हजार रुपये की छूट देने की बात कही। रिश्तेदार ने जनप्रतिनिधि को फोन किया तो दूसरी तरफ से आयकर विभाग के डिप्टी स्तर से एक अधिकारी ने निदेशक को कॉल किया। तीसरे दिन भी आयकर विभाग की छापा चलता रहा। आयकर छापे को लेकर तरह–तरह की चर्चा चल रही है। चर्चा है कि कारोबारियों के यहां छापे की वजह जनप्रतिनिधि की बात मानने से इंकार करना भी हो सकती है। चर्चा है कि कुछ दिन पहले जनप्रतिनिधि के रिश्तेदार शोरूम में गाड़ी खरीदने आए थे। इस दौरान उन्होंने परिचय दिया तो निदेशक ने खुद को जनप्रतिनिधि का परिचित बताते हुए पांच हजार रुपये की छूट देने की बात कही। रिश्तेदार ने जनप्रतिनिधि को फोन किया तो दूसरी तरफ से आयकर विभाग के डिप्टी स्तर से एक अधिकारी ने निदेशक को कॉल किया। इसपर भी बात नहीं बनी और निदेशक ने जनप्रतिनिधि के संबंध और जरूरत होने पर उनके द्वारा खुद फोन किए जाने की बात भी डिप्टी रेंज के अधिकारी से बोल दी थी।

आयकर विभाग के पास फर्म पर कर चोरी के पुख्ता प्रमाण हैं। पिछले छह महीनों की जांच में सामने आया था कि संस्था की तरफ से शहर के क्रीम लोकेशन की जमीनों को खरीद कर उसपर अच्छी खासी लागत के साथ भवन बना दिए गए। इन भवनों को दूसरे किसी को बेचने की बजाय दूसरी और महंगी कंपनियों को किराए पर दे दिया गया। आयकर विभाग उन रुपयों के कनेक्शन की तलाश कर रही, जिससे ये भवन बनकर तैयार हुए। जमीन खरीदने और भवनों के निर्माण के बीच निवेश होने वाले धनों के जरिये और उसके सापेक्ष जमा किए जाने वाले कर की मिलान टीम कर रही है। इसके अलावा निवेश में सहयोग किए जाने वाले रुपये फर्म के खातों में लिए गए थे या नहीं, इसकी भी जांच हो रही है। गोरखपुर शहर में तैनात एक वरिष्ठ अधिकारी की पत्नी भी आयकर विभाग के सचल दस्ते की टीम में शामिल हैं। सूत्रों की मानें तो इस अधिकारी के सामने ही फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का संचालन शुरू किया गया था। फ्लोट में किए गए निवेश और फर्म की ओर से कर जमा करने की बेसिक जानकारी टीम के पास थी। आयकर विभाग की टीम ने आलोक अग्रवाल के दोनों मोबाइल फोन और फोन से व्हाट्सएप चौटिंग के रिकॉर्ड को भी सुरक्षित किया है। सूत्रों की मानें तो इसमें कई मैसेज और फोटो ऐसे हैं, जिन्हें देख आयकर विभाग वाले भी हैरत में पड़ गए। सूत्रों ने बताया कि चूंकि जांच टीम के सामने आलोक ने आने में समय लगा दिया था, ऐसे में फोन को फॉरेंसिक की जांच करवाने के बाद टीम लौटाएगी।

इसके अलावा केबिन के कंप्यूटर और गोरखपुर क्लब में रेस्टोरेंट संचालन के अनुबंध और शर्तों की फाइल के साथ उस फर्म से अर्जित होने वाली रकम की भी गणना की जाएगी। सूत्रों ने बताया कि गोरखपुर क्लब (कंपनी एक्ट द्वारा संचालित) के अंदर दूसरे किसी को बार या रेस्टोरेंट के संचालन का जिम्मा देने वाले जिम्मेदारों से भी सवाल–जवाब हो सकता है।

आलोक अग्रवाल के परिवार ने 1998 में सीए और पारलेजी कंपनी की फैक्ट्री के मालिक अशोक सराफ (अग्रवाल) से सिविल लाइंस में जमीन खरीदी थी। ये जमीन अशोक और इनके चाचा बीएल सराफ ने परिवार के नाम से रजिस्ट्री की थी। आयकर विभाग के पास मौजूद रिकॉर्ड के अनुसार, सराफ परिवार के चाचा–भतीजे व्यापारिक साझेदार भी हैं। ऐसे में रजिस्ट्री भी दोनों ने मिलकर की थी। रिकॉर्ड के अनुसार, 12 हजार स्कवायर फिट नजूल की फ्री होल्ड कराई जमीन से रजिस्ट्री की गई थी। कचहरी की रिकॉर्ड की मानें तो आलोक अग्रवाल के घर से इंदिरा बाल विहार पार्क के एक हिस्से तक की पूरी जमीन तत्कालीन समय में आईएम परेरा के नाम पर शासन की तरफ से 1939 में पट्टा किया गया था।

शर्त थी कि इस जमीन पर सरकारी आवास बनाए जाएंगे। इसी शर्त के अलाटममेंट के साथ पट्टा किया गया था। फ्री होल्ड हुई जमीन पर मालिकान कब्जा कर उसे सुरक्षित कर लिया। इसी पूरी जमीन के एक हिस्से में आलोक अग्रवाल ने अपना मकान बनवाया है। आयकर विभाग की एक टीम संत कबीरनगर में इस फैक्टरी पर भी जांच कर रही है।

बेटी की चीख सुनकर कमरे में पहुंची मां, गुस्साए दामाद ने कर दी सास की हत्या

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। सिकंदपुर बाजार निवासी निर्मला (55) की शुक्रवार देर रात अयोध्या निवासी उसके दामाद ने शरीर पर चाकू से कई वार करके हत्या कर दी। हत्यारे का अपनी पत्नी शालिनी से पारिवारिक वाद कोर्ट में विचारधीन चल रहा है।

परिजनों के अनुसार वह अक्सर शालिनी को फोन कर जान से मार डालने की धमकी देता था। किसी को अंदेशा नहीं था कि वह इस तरफ की वारदात को अंजाम दे डालेगा। शनिवार की सुबह एसपी केशव कुमार ने घटना स्थल का जायजा लिया। खुलासे के लिए तीन टीमों को गठन कर पुलिस जांच में जुटी। जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया।

सम्मनपुर थाने के सिकंदरपुर बाजार निवासी शालिनी 24 का विवाह वर्ष 2021 में अयोध्या जनपद के इनायतनगर थाने के मवईकला निवासी राकेश तिवारी के साथ हुआ था। दो वर्ष बाद ही दोनों में अनबन शुरू हो गई। मामला कोर्ट जा पहुंचा।

शालिनी ने पति के राकेश व परिजनों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज करा दिया। कोर्ट से गुजरा भत्ता लेने के बाद वह अपनी मां निर्मला के साथ उनके घर पर ही रहने लगी। उसके दो भाई सुशील उपाध्याय और बाल गंगाधार लखनऊ में किसी निजी संस्था में नौकरी करते थे। घर पर शालिनी और उसकी मां निर्मला ही अकेले रहती थीं।

शालिनी ने तहरीर देकर बताया कि शुक्रवार की रात करीब एक बजे घर का किसी ने दरवाजा खटखटाया। उसने उठकर दरवाजा खोला, लेकिन बाहर कोई नहीं था। दरवाजा बंद कर अंदर गई। तभी घर के पीछे से कूदकर उसका पति राकेश अंदर दाखिल होते ही चाकू से शालिनी पर वार किया। वह शोर मचाकर भागी। बेटी की चीख की आवाज सुनकर वहां पहुंची उसकी मां निर्मला पर राकेश ने चाकू से तीन वार कर उनकी हत्या कर दी।

बस की चपेट में आने से घायल अधेड़ की मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर।
संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भवानीगंज थाना क्षेत्र के खुनखुन चौराहे के पास शुक्रवार की देर शाम बस दुर्घटना में घायल अधेड़ की देर रात बस्ती में इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने शनिवार को मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया। भवानीगंज थाना क्षेत्र के लटिया गांव निवासी आबिद(55) पुत्र सेतू लटिया चौराहे पर इलेक्ट्रॉनिक की दुकान चलाते थे। दुकान से प्रतिदिन की तरह शुक्रवार को दुकान बंद कर साइकिल से घर जा रहे थे। अभी वह खुनखुन चौराहे के पास पहुंचे ही थे कि उतरौला की तरफ से आ रही एक प्राइवेट बस ने उन्हें रौंद दिया। इसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। खून से लथपथ घायल आबिद को राहगीरों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेंवा पहुंचाया। जहां से चिकित्सकों ने बस्ती रेफर कर दिया था।

बस्ती में इलाज के दौरान रात में ही मौत हो गई। मौत की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने शनिवार को मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया। भवानीगंज थानाध्यक्ष रामदेव ने बताया कि सूचना मिलते ही मृतक के घर पुलिस गई थी। जहां परिजनों ने कानूनी कार्रवाई करने से इनकार कर दिया।

आंगनबाड़ी कार्यकत्री पर बिफरे डीएम, सीएचओ व एएनएम को नोटिस

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डीएम डॉ.राजा गणपति आर ने शनिवार को बीएचएनडी दिवस के अवसर पर औरहवा गांव में लगे सत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने रजिस्टर न होने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए आंगनबाड़ी कार्यकत्री को फटकार लगाई। वहीं ट्रैक न करने पर एएनएम और सीएचओ को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। डीएम ने निरीक्षण के दौरान आशा, एएनएम व आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को निर्देश दिया कि आने वाली गर्भवती महिलाओं व बच्चों का टीकाकरण कराएं और समय से फीडिंग करें। डीएम ने फोन से लाभार्थी से बात भी की। निरीक्षण के दौरान पता चला कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री की ओर से रजिस्टर नहीं बनाया गया है। इस पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताई। वहीं सीएचओ और एएनएम की ओर से गर्भवती महिलाओं को ट्रैक नहीं किया जा रहा था। इस पर एएनएम और सीएचओ को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही गर्भवती महिलाओं की गोदभराई रस्म भी पूरी की गई।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सिद्धार्थ विश्वविद्यालयकपिलवस्तु सिद्धार्थनगर से निर्गत और चौधरी चरण सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय पदमापुर पाण्डव नगर से सम्बद्ध एम.एस.सी. एग्रोनामी तृतीय सेमेस्टर अनुक्रमांक **22220742310006** वर्ष **2022** का अंक पत्र एवं चरित्र प्रमाण–पत्र एवं अन्य आवश्यक प्रपत्र वास्तव में खो गया है।

(अनूप कुमार मौर्य)
पुत्र श्री हरि प्रसाद मौर्य
ग्राम– सिसौनी
पोस्ट–दुबौलिया बाजार
जनपद– बस्ती (उ.प्र.)
मो0 8787074285

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ पर हुआ अखंड रामायण पाठ

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज कस्बे के शाहपुर हिन्दू भवन पर प्रभु श्रीराम के मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की वर्षगांठ के अवसर पर धर्म रक्षा मंच की ओर से शनिवार को वैदिक मंत्रोच्चार व विधि विधान से पूजन कर अखंड रामायण पाठ शुरू हुआ। पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष में अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कार्य संपन्न हुआ था जो वर्तमान समय में लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। उन्होंने बताया कि प्रभु श्रीराम के मंदिर का पहला साल पूरा हुआ है जो रामराज्य व विकसित भारत की ओर पहला कदम है। हवन पूर्णाहुति के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। शिवमंदिर के पुजारी पंडित राकेश शास्त्री ने बताया कि 22 जनवरी 2024 को श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक अयोध्या में संपन्न हुआ। इस वर्ष श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव वषर्गांठ 11 जनवरी को मनाया जा रहा हैं। इस दौरान लवकुश ओझा, चंद्र प्रकाश चौधरी, धर्मराज वर्मा, मधुसूदन अग्रहरि, आकाश प्रताप सिंह, दिलीप पाण्डेय, राजन अग्रहरि, रमेश लाल श्रीवास्तव, अजय अग्रहरि, शत्रुहन सोनी, भीम चौधरी, बृजेश शुक्ल, प्रेम पाण्डेय, धर्मेश पाण्डेय, हरीश पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

भाजपा में शामिल विभीषण ही उनकी नाव में छेद कर रहे –डा. संजय निषाद

संवाददाता–गोरखपुर। डा. संजय निषाद ने कुछ नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा के मंच से, उनके टेंट में, उन्हीं के खर्चे पर ये बोलते हैं कि निषाद को आरक्षण नहीं मिलेगा तो वो वोट नहीं देगा। ये भाजपा को डुबाने वाली बात है। निषाद ने वोट नहीं दिया और 43 सीट हार गए। निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद) पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश के कैबिनेट मंत्री डा. संजय निषाद ने कहा कि भाजपा की नाव डूब रही है।लोकसभा चुनाव में प्रदेश की 43 सीटें हारना और केंद्र में कमजोर सरकार बनना आखिर इसी बात का द्योतक है।

भाजपा में शामिल विभीषण ही उनकी नाव में छेद कर रहे हैं। उस नाव में छेद होगा तो हम नहीं डूबेंगे। उन्हें छेद करने वाले विभीषणों को किनारे हटाना होगा। डा. संजय निषाद शनिवार को इलेक्ट्रोहोम्योपैथिक चिकित्सकों के कार्यक्रम में शामिल होने आए थे और पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

डा. संजय निषाद ने कुछ नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा के मंच से, उनके टेंट में, उन्हीं के खर्चे पर ये बोलते हैं कि निषाद को आरक्षण नहीं मिलेगा तो वो वोट नहीं देगा। ये भाजपा को डुबाने वाली बात है। निषाद ने वोट नहीं दिया और 43 सीट हार गए। ये लोग विभीषण नहीं हैं तो क्या हैं? अब जनता ही विभीषणों की पहचान कर रही है।

वह जान गई है कि किसके समय आरक्षण छीना गया। सपा–बसपा के समय में इसे छीना गया और ये विभीषण तब उन पार्टियों के साथ खड़े थे। कुछ अधिकारियों के कारण बदनामी हो रही है।

2027 विधानसभा चुनाव में सीटों के सवाल पर उन्होंने कहा कि भाजपा के हम छोटे भाई हैं, हमें पहले भी पूरा सम्मान मिला था। आगे भी सम्मान मिलेगा। हम मिलकर चुनाव लड़ेंगे।

न्याय न मिलने पर आत्मदाह की दी चेतावनी

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के बखिरा थाना क्षेत्र के कुसम्हा की एक महिला ने न्याय न मिलने के विरोध में 15 जनवरी को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने परिवार सहित आत्मदाह की चेतावनी दी है। आरोप है कि छह दिसंबर को नाली विवाद को लेकर मारपीट हो गई थी जिसमें पीड़िता ने थाने पर शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिसके बाद पुलिस अधीक्षक व मुख्यमंत्री दरबार में न्याय की गुहार लगाई। थाने पर बार–बार बुलाकर परेशान किया गया लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। जानकी पत्नी कमलेश निवासी कुसम्हा का आरोप है कि छह दिसंबर को नाली के विवाद को लेकर विपक्षीगण आधा दर्जन से अधिक लोग नाली तोड़ने लगे। विरोध करने पर लाठी–डंडे से मारपीट करने लगे जिसमें दोनों को काफी चोट आईं। वहां से भागकर घर में आए तो वहां भी पहुंचकर गाली देते हुए मारने–पीटने लगे। जान से मारने की धमकी दी। मारपीट के दौरान मंगल सूत्र मोबाइल व कान की बाली भी ले लिए। इसकी जानकारी डायल 112 को दी गई। जिसके बाद दोनों पक्ष को थाने पर बुलाया गया वहां पहुंचने के बाद उल्टा पीड़ित को ही थाने पर बैठा लिया गया। कोई कार्रवाई नहीं हुई। उक्त मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक व मुख्यमंत्री दरबार में किया। वहां जाने के बाद पुनः सीओ कार्यालय पर बुलाया गया लेकिन कोई ठोस पहल नहीं हुई मंगलवार को बखिरा थाने पर बुलाया गया जहां तहरीर बदलने को कहकर टाल दिया गया जबकि उक्त घटना का वीडियो भी सीओ से लेकर एसओ तक को दिखाया गया लेकिन पुलिस पीड़ित की कोई बात सुनने व कार्रवाई करने को तैयार नहीं है जिससे परेशान होकर पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक व सीओ को पत्र भेजकर 15 जनवरी को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने परिवार सहित आत्मदाह करने की चेतावनी दी है।

बनने के तीन वर्ष बाद ही टूट कर बिखर गई सड़क

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। खेसरहा क्षेत्र में महुआ गांव से बनकटा चौराहे तक डेढ़ किमी लंबी सड़क तीन वर्ष पहले बनाई गई थी, लेकिन मानकों की अनदेखी के कारण यह सड़क अब टूट गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुचारू रूप से संचालित हो इसके लिए सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है तो वहीं गुणवत्ता विहीन निर्माण से तीन वर्ष पहले बनी सड़क टूट गई है। खेसरहा क्षेत्र के महुआ गांव से बनकटा चौराहे तक नहर की पटरी पर बनी डेढ़ किमी लंबी सड़क का निर्माण तीन वर्ष पूर्व लोक निर्माण विभाग की ओर से लगभग एक करोड़ की लागत से कराया गया था। निर्माण के समय मानकों की जमकर अनदेखी की गई। इससे बनने के एक वर्ष बाद ही सड़क जगह–जगह टूटने लगी। अब सड़क पर कदम–दम पर गड्ढे हो गए हैं। सड़क की गिट्टियां उखड़ गई हैं। इस मार्ग से रोहुआ, रिठिया, मुड़िला, बनकटा, बरनवार, महुआ, उड़वलिया सहित 10 गांवों के 10 हजार आबादी का प्रतिदिन आवागमन होता है। निर्माण के तीन वर्ष बाद ही सड़क के क्षतिग्रस्त हो जाने से राहगीर व ग्रामीणों में रोष है। क्षेत्र के विवेकानंद पाण्डेय, सत्यप्रकाश पाण्डेय, श्याम सुंदर पाण्डेय, संजू आदि का कहना है कि सड़क पूरी तरह से उखड़ गई है। कई बार शिकायत के बाद भी कोई ध्यान नहीं दिया गया।

टीबी अभियान में बीसीपीएम को नोडल की जिम्मेदारी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जनपद में नौ दिसंबर से 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान चल रहा है। इस अभियान को बेहतर बनाते हुए रिपोर्टिंग के लिए ब्लॉकों पर तैनात ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक (बीसीपीएम) को नोडल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह जिम्मेदारी डीएम डॉ. राजा गणपति आर के निर्देश पर दी गई है। जिसमें हर दिन ब्लॉकों पर होने वाली स्क्रीनिंग समेत गतिविधियों की रिपोर्ट जनपद मुख्यालय पर भेजनी है। शासन ने टीबी मुक्त भारत को ध्यान में रखते हुए नौ दिसंबर से 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान संचालित किया है। इस अभियान में 60 वर्ष की उम्र पार कर चुके वृद्धजन, धुम्रपान, शराबियों समेत मधुमेह, बीपी के मरीज, ईंट भट्ठों पर काम करने वाले मजदूर, एड्स पीड़ितों को जोड़ते हुए गांव–गांव में शिविर लगाने का जिम्मा सौंपा है। जिसमें स्क्रीनिंग करते हुए संभावित मरीजों की तलाश करना है। इस कार्यक्रम की बेहतर तरीके से रिपोर्टिंग संभव हो सके और अभियान से जुड़ने वालों का सही डेटा कलेक्ट हो सके इसके लिए डीएम ने जनपद के सभी 14 ब्लॉकों पर तैनात बीसीपीएम को अभियान का नोडल बनाया है। डीएम ने जिम्मेदारी सौंपते हुए निर्देशित किया है कि बीसीपीएम प्रतिदिन ब्लॉकों पर होने वाली गतिविधियों की रिपोर्टिंग जिला क्षयरोग कार्यालय को करेंगे। इसमें लापरवाही क्षम्य नहीं होगी।

100 दिवसीय अभियान को सफल बनाने के लिए ग्रामीण अंचल के उपकेंद्र स्तरीय आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर तैनात सीएचओ व एएनएम को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। जनपद स्तरीय अधिकारियों ने निर्देशित करते हुए कहा है कि सीएचओ व एएनएम अपने कार्यक्षेत्र वाले गांव को टीबी मुक्त बनाने के लिए अधिक से अधिक स्क्रीनिंग करें। संभावित मरीजों के बलगम की जांच कराएं। जांच में पॉजिटिव आने पर दवा चालू कराकर सेवन करने के लिए प्रेरित करें।

डॉ. एमएम त्रिपाठी, जिला क्षयरोग अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान चल रहा है। इस अभियान में बीसीपीएम को नोडल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन्हीं के माध्यम से ब्लॉकों पर होने वाली गतिविधियों की रिपोर्ट जनपद मुख्यालय पर आनी है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन नोटिस सं. LJN-PRKG-01-25

मण्डल रेल प्रबन्धक (वा.), पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु आईआरईपीएस के ई-ऑक्शनिंग के माध्यम से ई-ऑक्शन आमंत्रित की जाती है–

क्र.सं. : 1, लॉट सं. : PARKING-LJN-GKP-TW-7-24-1 (Parking-Two Wheeler), **कार्य का विवरण : गोरखपुर** स्टेशन के आरक्षण कार्यालय स्थित दो पहिया पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, स्कूटर) का ठेका **03 वर्ष** हेतु। **क्र.सं. : 2, लॉट सं.** : PARKING-LJN-SOT-MX-31-24-1 (Parking-Mixed), **कार्य का विवरण : शोहरतगढ़** स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका **03 वर्ष** हेतु। **क्र.सं. : 3, लॉट सं.** : PARKING-LJN-LC-MX-117-25-1 (Parking-Mixed), **कार्य का विवरण : लखनऊ सिटी** स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया (स्टेशन के दोनों तरफ) स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका **03 वर्ष** हेतु। **क्र.सं. : 4, लॉट सं.** : PARKING-LJN-KLD-MX-118-25-1 (Parking-Mixed), **कार्य का विवरण : खलीलाबाद** स्टेशन (मेनगेट साईड) के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका **03 वर्ष** हेतु। **क्र.सं. : 5, लॉट सं.** : PARKING-LJN-MSW-MX-115-24-1 (Parking-Mixed), **कार्य का विवरण : मसकनवां** स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया (स्टेशन के दोनों तरफ) स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका **03 वर्ष** हेतु। **क्र.सं. : 6, लॉट सं.**: PARKING-LJN-GKC-MX-111-24-2 (Parking-Mixed), **कार्य का विवरण : गोरखपुर कैण्ट** स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका **03 वर्ष** हेतु।

• निविदाकार प्रकाशित सूचना के अनुसार ई-ऑक्शन में भाग ले सकते हैं। ireps पोर्टल पर दिए गए तिथि/समय के अनुसार सभी लॉट की ई-ऑक्शन प्रारंभ एवं बन्द होंगी। • सभी लॉट के लिए ई-ऑक्शन दि.- **24.01.2025, 12:00 बजे** प्रारंभ होकर **24.01.2025, 13:20 बजे** बंद होगी। • इस ऑक्शन के लिये मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। • अर्नेस्ट मनी की राशि (5%) का भुगतान केवल IREPS पोर्टल पर ठेकेदार द्वारा लिंक किये गये बैंक खाते से किया जायेगा। मैनुअल विधि जैसे–डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चैक, एफडीआर, जमा रसीद आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं होगी। • विज्ञप्ति सूचना एवं निविदा प्रपत्र प्रारूप तथा नियम व शर्तों की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in (E-Auction module)** पर उपलब्ध है।

मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य), लखनऊ
मुजाधि/वाणिज्य-213

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0:–T202317140203238
धारा 34 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान नायब तहसीलदार महोदय रामनगर भानपुर जिला–बस्ती

अवधेश कुमार
बनाम
कपिलदेव

ग्राम चिरईबुजुर्ग तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती
1. अवधेश कुमार यादव पुत्र कपिलदेव ग्राम चिरईबुजुर्ग तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 15–01–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 15 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैस़ला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

हियुवा की बैठक में खिचड़ी सहभोज की तैयारियों पर हुई चर्चा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। इटवा कस्बे के शिव शक्ति मंदिर पर शनिवार को हिन्दू युवा वाहिनी की बैठक हुई। इसमें हियुवा के निवर्तमान जिला महामंत्री संगठन संजय मिश्र की मौजूदगी में पहले अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के स्थापना दिवस को लेकर पूजा अर्चना की गई। इसके बाद खिचड़ी सहभोज की तैयारियों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भी क्षेत्र में खिचड़ी सहभोज के कार्यक्रम होंगे। इसमें सभी की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने कहा कि 14 जनवरी को बाबा गुरू गोरक्षनाथ मंदिर पर खिचड़ी चढ़ाने के बाद सहभोज के कार्यक्रम शुरू होंगे। सहभोज कार्यक्रम को लेकर जो रूपरेखा तैयार की गई है उस पर सभी लोग अभी लगकर काम करें। इस मौके पर रामकृपाल चौधरी, कप्तान सिंह, विवेक श्रीवास्तव, कन्हैया लाल यादव, संतोष मौर्य, जुग्गीलाल प्रजापति, वीरेन्द्र पाठक, सदानन्द त्रिपाठी, राम सजीवन साहू, अक्षय, रामेन्द्र नाथ मिश्र आदि मौजूद रहे।

महाकुंभ में चलने वाली स्पेशल ट्रेनें पैक, आक्युपेंसी 100 परसेंट, टाइम टेबल जारी

संवाददाता–गोरखपुर। महाकुंभ में चलने वाली सभी स्पेशल आरक्षित ट्रेनें पैक हो गई हैं। एनईआर में आने और यहां से जाने वाली सभी 108 महाकुंभ स्पेशल ट्रेनों की आक्युपेंसी 100 फीसदी के पार है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि डिमांड के हिसाब से प्रयागराज और आसपास के स्टेशनों के और अधिक ट्रेनें चलाई जा सकती हैं। इसके के साथ ही एनई रेलवे अपने अलग–अलग स्टेशनों से प्रयाग, रामबाग और झूसी के लिए 480 से अधिक पैसेंजर ट्रेनें चलाने जा रहा है।

प्रयागराज में होने वाले महांकुभ को लेकर एनईआर ने भी पूरी ताकत झोंक दी है। कुंभ की शोभा को बढ़ाने के लिए पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर वर्कशॉप में कुंभ थीम पर आधारित कोच तैयार करा रहा है। यहां लगभग सभी कोच तैयार भी हो गए हैं। कोच पर कुंभ की मनमोहक पेंटिंग की गई है। वर्कशॉप में कोच पर संगम में स्नान करते श्रद्धालुओं की तस्वीर उकेरी गई है।

सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि पूर्वोत्तर रेलवे के यांत्रिक कारखाना गोरखपुर में चार रेकों के कुल 80 कोचों को महाकुम्भ थीम पर तैयार किया गया है। इस महाकुम्भ में भारी संख्या में श्रद्धालु स्नान के लिए आएंगे उनके लिए रेलवे द्वारा रिकॉर्ड संख्या में स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। महाकुंभ टाइम टेबल का पीसीओएम ने किया अनावरण यात्रियों को महाकुंभ स्पेशल ट्रेनों को लेकर कोई असुविधा न हो इसके प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक अनूप कुमार सतपथी ने एनईआर से जाने वाली सभी महाकुंभ स्पेशल ट्रेनों के लिए तैयार की गई समय सारणी का अनावरण किया है। उनका कहना है कि इससे यात्रियों को काफी सहूलियत होगी। इस सूची में करीब 450 स्पेशल ट्रेनें शामिल हैं। 10 लाख श्रद्धालु आने की संभावना अनुमान है कि इस बार प्रमुख स्नान के दिन 10 लाख से अधिक श्रद्धालु जाएंगे। इसे देखते हुए सभी प्रमुख स्टेशनों से ट्रेन चलाने की तैयारी चल रही है। इसके अलावा भीड़ बढ़ने पर कुछ ही घंटों के अंतराल में अतिरिक्त ट्रेनें भी चलाने की तैयारी है। प्रयागराज शहर में एनईआर के दो स्टेशन रामबाग व झूसी हैं, यहां अतिरिक्त काउंटर तो खोले ही गए हैं साथ ही प्लेटफार्म के अलावा अतिरिक्त वेटिंग एरिया भी बनाए गए हैं। प्रयागराज में लगने वाले महाकुम्भ मेला के अवसर पर यात्रियों की सुविधा के लिए 05181 गोमतीनगर झूसी कुम्भ मेला स्पेशल दो फेरों के लिए चलाई जाएंगी। 05181 गोमतीनगर–झूसी कुम्भ स्पेशल 27 एवं 28 जनवरी को गोमतीनगर से देर रात 03.30 बजे प्रस्थान कर दोपहर 12 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। यहां से प्रस्थान कर रात 9.15 बजे झूंसी पहुंचेगी। इस ट्रेन में कुल 16 कोच लगाए जाएंगे। यह जानकारी सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने दी है।

बाबा साहब के मूल्यों और सिद्धांतों को आमजन के बीच पहुंचाएं

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भाजपा कार्यालय पर शनिवार को जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने सभी मोर्चों के अध्यक्षों व पदाधिकारियों के साथ बैठक कर संविधान गौरव अभियान को लेकर चर्चा की। जिलाध्यक्ष ने कहा कि संविधान गौरव अभियान भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूरे होने पर उत्सव स्वरूपी अभियान है। हम सब मिल कर अभियान के माध्यम से भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के मूल्यों और सिद्धांतों को आम जन के बीच तक पहुंचाने का काम करेंगे। इस अवसर पर जिला मीडिया प्रभारी निशांत पाण्डेय,डॉ.संजय गौतम, गौरव मिश्र, अरुणा मिश्रा, सबलू सहानी, रामू गौंड़, बजरंगी गोस्वामी आदि मौजूद रहे।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com